www.sanjanabharati.com

दिल्ली और गौतम बुद्ध नगर से प्रकाशित। हरियाणा, पंजाब, उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड व उत्तराखंड में प्रसारित

facebook.com/Sanjanabharati

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

संजना भारती

आपका भरोसा, हमारी ताकत

RNI No. : DELHIN/2016/70240

2 विपक्ष की लोकतंत्र पर चिंता या सत्तालोभ...

3 बाल संरक्षण आयोग के सदस्य ने किया औचक निरीक्षण

4 मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने देहरादून में...

वर्ष: 9 | अंक: 267 | दिल्ली, सोमवार, 21 जुलाई 2025 | पृष्ठ संख्या: 4 | मूल्य: 1 रुपया

संसद के आगामी सत्र में सार्थक और गंभीर विचार-विमर्श की है आशा: उपराष्ट्रपति

संजना भारती/पीआईबी

नई दिल्ली। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने राजनीतिक दलों के बीच सौहार्द और परस्पर सम्मान का आह्वान किया है। श्री धनखड़ ने कहा, "मैं राजनीतिक जगत के सभी लोगों से अपील करता हूँ कि कृपया परस्पर सम्मान रखें। कृपया टेलीविजन पर या किसी भी पार्टी के नेतृत्व के विरुद्ध अभद्र भाषा का प्रयोग न करें। यह संस्कृति हमारी सभ्यता का सार नहीं है। हमें अपनी भाषा का ध्यान रखना होगा... व्यक्तिगत आक्षेपों से बचें। मैं राजनेताओं से अपील करता हूँ। अब समय आ गया है कि हम राजनेताओं को गालियाँ देना बंद करें। जब विभिन्न राजनीतिक दलों में लोग दूसरे राजनीतिक दलों के वरिष्ठ नेताओं को गालियाँ देते हैं, तो यह हमारी संस्कृति के लिए अच्छा नहीं है।"

उपराष्ट्रपति ने कहा, हममें मयार्दा और परस्पर सम्मान की पूर्ण भावना होनी चाहिए-और यही हमारी संस्कृति की मांग है। अन्यथा हमारी विचार प्रक्रिया में एकता नहीं हो सकती विश्वास कीजिए, अगर राजनीतिक संवाद उच्च स्तर पर हो, अगर नेता अधिक बार मिलते-जुलते रहें, वे आपस में अधिक संवाद करें। वे व्यक्तिगत स्तर पर विचारों का आदान-प्रदान करें-तो राष्ट्र हित की पूर्ति होगी... हमें आपस में क्यों लड़ना चाहिए? हमें अपने भीतर शत्रुओं की तलाश नहीं करनी चाहिए। मेरी जानकारी के अनुसार, प्रत्येक भारतीय राजनीतिक दल और प्रत्येक सांसद अंततः एक राष्ट्रवादी है। वह एक राष्ट्र की भावना में विश्वास करता है। वह राष्ट्र की प्रगति में विश्वास करता है लोकतंत्र कभी ऐसा नहीं होता कि एक ही पार्टी सत्ता में आए। हमने अपने जीवनकाल में देखा है कि परिवर्तन राज्य स्तर पर, पंचायत स्तर पर, नगरपालिका स्तर पर होता है, यह एक लोकतांत्रिक प्रक्रिया है। लेकिन एक बात निश्चित है, विकास की निरंतरता, हमारी सभ्यतागत लोकाचार की निरंतरता होनी चाहिए, और यह केवल एक पहलू से आती है। हमें लोकतांत्रिक संस्कृति का सम्मान करना चाहिए। श्री धनखड़ ने कहा, मित्रों, एक समृद्ध लोकतंत्र निरंतर कटुता

का वातावरण सहन नहीं कर सकता... जब आप राजनीतिक कटुता, राजनीतिक वातावरण को अलग दिशा में पाते हैं, तो आपका मन विचलित हो जाता होगा। मैं देश के सभी लोगों से आग्रह करता हूँ कि राजनीतिक तापमान को कम किया जाए। राजनीति टकराव नहीं है, राजनीति कभी भी एकतरफा नहीं हो सकती। अलग-अलग राजनीतिक विचार प्रक्रियाएँ होंगी, लेकिन राजनीति का अर्थ है एक ही लक्ष्य को प्राप्त करना, लेकिन किसी न किसी तरह अलग-अलग माध्यमओं से। मेरा दृढ़ विश्वास है कि इस देश में कोई भी व्यक्ति राष्ट्र के विरुद्ध नहीं सोचेगा। मैं किसी राजनीतिक दल को भारत की अवधारणा के विरुद्ध नहीं देख सकता। उनके अलग-अलग माध्यम, अलग-अलग सोच हो सकती है; लेकिन उन्हें एक-दूसरे के साथ चर्चा करना, एक-दूसरे के साथ संवाद करना सीखना होगा। टकराव कोई रास्ता नहीं है। जब हम आपस में लड़ते हैं, यहाँ तक कि राजनीतिक क्षेत्र में भी, तो हम अपने दुश्मन को मजबूत कर रहे होते हैं। हम उन्हें हमें विभाजित करने के लिए पर्याप्त सामग्री दे रहे होते हैं। इसलिए, युवा प्रतिभाओं एक बड़ा दबाव समूह है। आपके पास बहुत मजबूत शक्ति है। आपकी विचार प्रक्रिया राजनेता, आपके सांसद, आपके विधायक, आपके पार्षद को नियंत्रित करेगी। राष्ट्र के बारे में सोचें। विकास के बारे में सोचें।" श्री धनखड़ ने नई दिल्ली में उपराष्ट्रपति एन्क्लेव में आज राज्यसभा के आठवें बैच के प्रतिभागियों के प्रशिक्षण कार्यक्रम (आरएसआईपी) के उद्घाटन समारोह को संबोधित किया।

उपराष्ट्रपति ने इस बात पर बल दिया, "जब राष्ट्रीय हित की बात हो तो हमें राजनीति नहीं करनी चाहिए, जब विकास की बात हो तो हमें राजनीति नहीं करनी चाहिए, जब राष्ट्र के विकास की बात हो तो हमें राजनीति नहीं करनी चाहिए। जब राष्ट्रीय सुरक्षा, राष्ट्रीय चिंता का विषय हो तो हमें राजनीति नहीं करनी चाहिए और ऐसा इसलिए हो सकता है क्योंकि भारत को विभिन्न राष्ट्रों के बीच गर्व के साथ खड़ा होना है। दुनिया में हमारा अच्छा सम्मान है। यह विचार कि भारत को बाहर से नियंत्रित किया जा सकता है, हमारे दावे के खिलाफ जाता है। हम एक राष्ट्र हैं, एक संप्रभु राष्ट्र हैं। हमारा राजनीतिक एजेंडा भारत की विरोधी ताकतों द्वारा क्यों निर्धारित किया जाना चाहिए? हमारे एजेंडे को हमारे दुश्मनों द्वारा भी क्यों प्रभावित किया जाना चाहिए?"

उपराष्ट्रपति ने टेलीविजन पर चर्चा कार्यक्रमों में झलकती राजनीतिक दलों की कटुता की ओर ध्यान आकर्षित करते हुए कहा, प्रत्येक राजनीतिक दल का नेतृत्व परिपक्व होता है। सभी राजनीतिक दल, चाहे वह बड़ा हो या छोटा, राष्ट्रीय विकास के लिए प्रतिबद्ध होता है और इसलिए युवाओं का कर्तव्य है कि वे इस मानसिकता को सुनिश्चित करें। यह विचार प्रक्रिया सोशल मीडिया में आनी चाहिए और एक बार जब आपको हमारी टेलीविजन चर्चाएं सुखदायक, सकारात्मक और आकर्षक लगेंगी, तो कल्पना कीजिए कि कितना बड़ा बदलाव आ सकता है- बस एक पल के लिए ध्यान दीजिए। हम आमतौर पर क्या देखते हैं? हम क्या सुनते हैं? क्या यह कानों को थका नहीं देता? हमारे कान तो थक गए हैं ना? भाई, ऐसा क्यों है? हम एक महान संस्कृति से आते हैं। हमारी विचारधारा का एक आधार है। हमारे विचारों में मतभेद हो सकते हैं- हमारे विचारों में भिन्नता हो सकती है- लेकिन हमारे दिलों में कटुता कैसे हो सकती है? हम भारतीय हैं। हमारी संस्कृति हमें क्या सिखाती है? अनंतवाद- अंतहीन संवाद में विश्वास। अनंतवाद का क्या अर्थ है? इसका अर्थ है चर्चा और बहस। चर्चा और बहस का क्या अर्थ है? इसका अर्थ है अभिव्यक्ति। और अभिव्यक्ति का अर्थ है-अपने विचारों को खुलकर कहें, लेकिन अपनी ही राय पर इतना आश्वस्त न हो जाएँ कि आप उस पर विश्वास कर लें और यह मान लें कि अही अंतिम और पूर्ण सत्य है।

संक्षिप्त समाचार

मानसून सत्र में हर संवेदनशील मुद्दे पर बहस को तैयार सरकार-किरेन रिजिजू

नई दिल्ली (एजेन्सी)। संसद के मानसून सत्र से ठीक पहले आयोजित सर्वदलीय बैठक में केंद्र सरकार ने विपक्ष की प्रमुख मांगों को स्वीकार कर लिया है। विपक्ष ने ऑपरेशन सिंदूर और सीमा पर चल रहे संघर्ष जैसे संवेदनशील और महत्वपूर्ण मुद्दों पर संसद में चर्चा की मांग की थी। केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने इस बात की पुष्टि करते हुए कहा कि सरकार इन सभी विषयों पर चर्चा के लिए पूरी तरह तैयार है। उन्होंने सत्र से पहले बुलाई गई इस बैठक में सदन के सुचारु संचालन को सुनिश्चित करने के लिए सरकार और विपक्ष के बीच बेहतर समन्वय का भी आह्वान किया। रिजिजू ने कहा, 'हम संसद में ऑपरेशन सिंदूर जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा के लिए पूरी तरह तैयार हैं। संसद को सुचारु रूप से चलाने के लिए सरकार और विपक्ष के बीच समन्वय होना चाहिए।' यह टिप्पणी ऐसे समय में आई है जब विपक्ष अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के उस हालिया दावे को लेकर सदन में विवाद खडा करने की तैयारी में है, जिसमें उन्होंने भारत और पाकिस्तान के बीच मध्यस्थता कर शत्रुता समाप्त करने की बात कही थी। इस मुद्दे पर प्रतिक्रिया देते हुए रिजिजू ने स्पष्ट किया कि सरकार सदन में इस विषय पर उचित जवाब देगी। संसद का आगामी मानसून सत्र हंगामेदार होने की प्रबल संभावना है, क्योंकि विपक्ष ने केंद्र सरकार को कई विवादास्पद मुद्दों पर घेरने की पूरी तैयारी कर ली है।

गाजियाबाद में एंबुलेंस की टक्कर से दो कांवड़ियों की मौत, एक घायल

गाजियाबाद (एजेन्सी)। गाजियाबाद पुलिस आयुक्तालय (कमिश्नरेट) के मोदीनगर थाना क्षेत्र में एक एंबुलेंस ने स्कूटी और मोटरसाइकिल को टक्कर मार दी जिससे वाहन सवार दो कांवड़ियों की मौत हो गई और एक घायल हो गया। पुलिस के एक अधिकारी ने रविवार को यह जानकारी दी। ग्रामीण क्षेत्र के पुलिस उपायुक्त (डीसीपी) सुरेंद्र नाथ तिवारी ने बताया कि मोदीनगर थाना क्षेत्र के कदराबड़ा के पास दिल्ली-मेरठ रोड पर एक रेस्टोरेंट के सामने शनिवार रात करीब 11.45 बजे एक तेज रफ्तार निजी एम्बुलेंस ने विपरीत दिशा से आ रहे कांवड़ियों की स्कूटी और मोटरसाइकिल को टक्कर मार दी, जिसमें तीनों कांवड़िये घायल हो गए। उन्होंने बताया कि तीनों श्रद्धालु पवित्र गंगाजल लाने हरिद्वार जा रहे थे, जबकि मेरठ के एक अस्पताल में मरीज को छोड़ने के बाद एम्बुलेंस विपरीत दिशा से आ रही थी।

दिल्ली में एक साल में पक्षियों की 221 प्रजातियों का पता लगाया गया

नई दिल्ली (एजेन्सी)। दिल्ली बर्ड एटलस पहल के शुरूआती एक वर्ष में राष्ट्रीय राजधानी के आर्द्रभूमि, रिज वनों, शहरी क्षेत्र से सटे गांवों और कॉलोनियों में पक्षियों की कुल 221 प्रजातियों के बारे में पता चला है। यहां जारी एक आधिकारिक बयान के अनुसार यह आम लोगों की एक पहल है, जिसमें 200 से अधिक स्वयंसेवकों ने हिस्सा लिया और 1,150 पक्षियों की सूची तैयार की गई। एटलस का एक वर्ष पूरा होने के मौके पर इस सप्ताह लोधी रोड स्थित वर्ल्ड वाइड फंड (डब्ल्यूडब्ल्यूएफ) ऑडिटोरियम में एक कार्यक्रम आयोजित किया गया। बयान में कहा गया है किदिल्ली बर्ड एटलस टीम नेचन विभाग और अन्य संरक्षण समूहों के सहयोग से इसका नेतृत्व किया। इस परियोजना में पक्षियों का पता लगाने के लिए मौसमी, ग्रिड-आधारित पद्धति का उपयोग किया गया है और वैश्विक ईबर्ड प्लेटफॉर्म के माध्यम से पक्षियों का डेटा साझा किया गया है। मुख्य वन्यजीव वार्डन श्याम सुंदर कांडपाल ने बताया, दिल्ली बर्ड एटलस बहुत अच्छा काम कर रहा है और उन्हें हमारा पूरा समर्थन प्राप्त है।

तीसरी बार नॉन-स्टॉप सरकार बनाई है, काम में कोई कसर नहीं छोड़ेंगे: सीएम नायब सिंह सैनी

'विपक्ष के दुष्प्रचार से घबराएं नहीं बल्कि तथ्यों के आधार पर उनको जवाब दें'

संजना भारती संवाददाता

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि राज्य के लोगों ने प्रदेश में तीसरी बार नॉन-स्टॉप सरकार बनाई है, काम में कोई कसर नहीं छोड़ेंगे। विपक्ष के दुष्प्रचार से घबराएं नहीं बल्कि तथ्यों के आधार पर उनको जवाब दें।

मुख्यमंत्री यहां संत कबीर कुटीर में पिछड़ा वर्ग समाज के लोगों को सम्बोधित कर रहे थे। ये लोग पिछड़ा वर्ग के लिए सरकार द्वारा लागू की गई कल्याणकारी योजनाओं के लिए मुख्यमंत्री का धन्यवाद करने आए थे।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि पूर्व की सरकारों में पिछड़ा वर्ग के बैकलॉग को "योग्य उम्मीदवार नहीं" मिलने का बहाना बनाकर खाली छोड़ दिया जाता था जबकि वर्तमान सरकार ने पिछड़ा वर्ग से प्रोफेसर, डॉक्टर, इंजीनियर तक भर्ती करके दिखा दिया है कि इस वर्ग के लोग हमेशा से ही योग्य रहे हैं, लेकिन पहले की सरकारों की नियत सही नहीं थी।

पिछड़ा वर्ग द्वारा उनको सम्मान के तौर पर पगड़ी पहनाये जाने पर मुख्यमंत्री ने कहा कि इस पगड़ी के मान -सम्मान को हमेशा ऊँचा रखेंगे। उन्होंने कहा कि वे प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी से समय-समय पर गाइडेंस लेते रहते हैं और पूरे प्रदेश में एक समान विकास करवाने की नियत रखते हैं। श्री नायब सिंह सैनी ने यह भी कहा कि वे राज्य में पढाई और नौकरी का माहौल बदल रहे हैं, मेरिट के आधार पर भर्ती की जा रही है। सिस्टम को बदल रहे हैं। उन्होंने 26 व 27 जुलाई को होने वाली सीईटी की परीक्षा के प्रबंधों की जानकारी देते हुए कहा कि परीक्षार्थियों के लिए घर से परीक्षा केंद्र तक लाने और वापस ले जाने के लिए बसों का निःशुल्क प्रबंध किया जा रहा है, ताकि युवाओं को किसी प्रकार की परेशानी न हो। लड़कियों के साथ घर के एक सदस्य को भी जाने की अनुमति दी गई है। लोक निर्माण मंत्री श्री रणबीर गंगवा ने कहा कि पिछड़ा वर्ग के मेहनतकश लोग हैं, इनमें कोई न कोई हुनर है। इस वर्ग के लोगों के साथ पूर्व की सरकारों में भेदभाव होता रहा है, लेकिन वर्तमान सरकार वंचितों और पिछड़ा वर्ग के लोगों की भलाई के लिए अनेक योजनाएं चला रही है। उन्होंने केंद्र सरकार की तर्ज पर क्रीमी लेयर की आय सीमा 6 लाख से बढाकर 8 लाख करने पर मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी का आभार जताया। राजयसभा सांसद रामचंद्र जांगड़ा ने मुख्यमंत्री आवास पर पिछड़ा वर्ग के लोगों की भारी संख्या को महाकुंभ बताते हुए कहा कि राज्य सरकार की नीतियों से खुश होकर पिछड़ा वर्ग के लोग महापुरुषों की जयंती पर आयोजित कार्यक्रमों में भी महाकुम्भ की तरह उमड़ पड़ते हैं। उन्होंने कहा कि वर्तमान सरकार महात्मा ज्योतिबा फुले और पंडित दीनदयाल उपाध्याय की अंत्योदय की नीतियों पर चलते हुए गरीब से गरीब व्यक्ति का उत्थान करने में लगी हुई है।

इस अवसर पर धन्यवाद कार्यक्रम को मुख्यमंत्री की धर्मपत्नी सुमन सैनी, मुख्यमंत्री के ओएसडी भारत भूषण भारती, पूर्व मेयर मदन चौहान, जवाहर सैनी ने भी सम्बोधित किया।

कर्यक्रम में सतबीर वर्मा, देवेंद्र पांचाल, यशपाल, जय सिंह पॉल, श्यामलाल जांगड़ा, रामचंद्र कम्बोज, पूनम सैनी, शारदा यादव, निर्मल बैरागी समेत अन्य गणमान्य व्यक्ति भी उपस्थित थे।

दूसरे सोमवार को बाबा विश्वनाथ का होगा विशेष श्रृंगार, गौरी शंकर स्वरूप में देंगे दर्शन

सावन के हर सोमवार को विभिन्न स्वरूपों में होता है बाबा का श्रृंगार

एसबी संवाददाता

वाराणसी। श्रावण मास में भक्तों के लिए सोमवार का विशेष महत्व है। बाबा विश्वनाथ का द्वितीय सोमवार को गौरी-शंकर (शंकर-पार्वती) स्वरूप में विशेष श्रृंगार किया जायेगा। महादेव के इस अलौकिक स्वरूप के दर्शन का सौभाग्य कांवड़ियों के साथ आम श्रद्धालुओं को भी मिलेगा। श्रावण मास के प्रथम सोमवार को बाबा विश्वनाथ के चल प्रतिमा के स्वरूप का श्रृंगार हुआ था। सावन के हर सोमवार को बाबा के विभिन्न स्वरूपों का श्रृंगार किया जा रहा है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने वाराणसी के दौरा कर गुरुवार को निर्देश दिया था कि कांवड़ियों की यात्रा सुगम और सुरक्षित हो।

हर सोमवार विभिन्न स्वरूपों में होगा श्रृंगार: श्री काशी विश्वनाथ मंदिर न्यास के मुख्य कार्यपालक अधिकारी विश्व भूषण मिश्र ने बताया कि श्रावण मास के दूसरे सोमवार को देवाधिदेव महादेव के गौरी शंकर (शंकर पार्वती) स्वरूप का श्रृंगार होगा। श्री विश्वेश्वर के भक्त बाबा के इस विशेष स्वरूप का दर्शन कर पाएंगे। बाबा के प्रिय श्रावण मास के दौरान महादेव के दर्शन का सोमवार को विशेष महत्व होता है, जो शिव भक्तों के लिए फलदायी होता है। सोमवार को बाबा के विशेष स्वरूपों का श्रृंगार किया जाता है। तीसरे सोमवार (28 जुलाई) को भगवान शंकर का अर्धनारीश्वर रूप और

■ जल, थल और आकाश से हो रही निगहबानी, आठ ड्रोन करेंगे पेट्रोलिंग, टीथर्ड ड्रोन भी लम्बी उड़ान के साथ रखेगा नजर

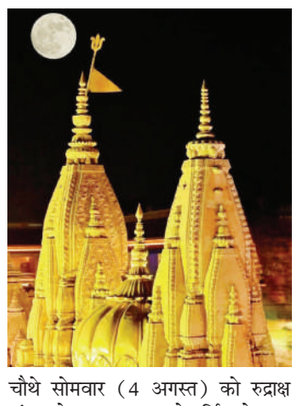

चौथे सोमवार (4 अगस्त) को रुद्राक्ष श्रृंगार होगा। 9 अगस्त को पूर्णिमा के शुभ अवसर पूर्णिमा वार्षिक झूला श्रृंगार होगा। श्रावण मास के प्रथम सोमवार को बाबा विश्वनाथ के चल प्रतिमा के स्वरूप का श्रृंगार हुआ था। मुख्य कार्यपालक अधिकारी ने बताया कि श्रद्धालुओं के लिए रेड कार्पेट बिछाकर पुष्प वर्षा होगी। धाम में भक्तों की सुविधा, सुगम दर्शन का भी पूरा ध्यान रखा गया है।

जल, थल और आकाश से हो रही निगहबानी: वाराणसी के पुलिस आयुक्त मोहित अग्रवाल ने बताया कि गंगा में सुरक्षा और बचाव के लिए जल पुलिस और एनडीआरएफ की कई टीम तैनात है। आकाश से निगहबानी के लिए आठ ड्रोन पेट्रोलिंग करते रहेंगे। वहीं टीथर्ड ड्रोन नजर रखने के लिए लम्बी उड़ान भरेगा। 200 सीसीटीवी कैमरे भी हर गतिविधि की रिपोर्ट देते रहेंगे।

पुलिस आयुक्त ने बताया कि 10 क्विक रिस्पॉन्स टीम 24 घंटे तैनात रहेगी। 20 से अधिक मोटर साइकिल दस्ते सड़कों पर पेट्रोलिंग करेंगे। लगभग 1,500 से अधिक पुलिसकर्मी 24 घंटे तैनात रहेंगे। श्री काशी विश्वनाथ धाम को जोड़ने वाले मार्गों पर शनिवार से यातायात प्रबंधन के तहत डायवर्जन और नो एंट्री लागू कर दिया गया है, जो मंगलवार सुबह तक जारी रहेगा। प्रयागराज से काशी राष्ट्रीय राजमार्ग की बायीं लेन कांवड़ियों के लिए सुरक्षित कर दी गई है।

श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा के लिए मार्गों व मंदिर में पर्याप्त पुलिसबल तैनात किया गया है। इसके अलावा अस्थाई पुलिस चौकियां भी बनाई गई हैं।

उत्तर पूर्वी जिला भाजपा दिल्ली प्रदेश सीड बॉल के माध्यम से लगाएगा हजारों पौधे: डॉ यू.के. चौधरी

संजना भारती संवाददाता

नई दिल्ली। उत्तर पूर्वी जिला भाजपा द्वारा आयोजित कार्यक्रम सीड बॉल पर्यावरण संरक्षण मे दिल्ली भाजपा के पर्यावरण कार्यक्रम प्रमुख व प्रदेश उपाध्यक्ष एवं विधायक राजकुमार भाटिया उपू जिला अध्यक्ष डॉ यू के चौधरी, जिला कार्यक्रम संयोजक व जिला उपाध्यक्ष राहुल गौड, मीडिया प्रभारी दीपक चौहान, निगम पार्षद ठा बृजेश सिंह, सोनी पाण्डेय, सचिन मावी, नेहा उप्रेती, जगत नारायण गुप्ता व अन्य कार्यकर्ताओं की उपस्थिति में इस कार्यक्रम के यमुना तट पर मनाया गया।

राजकुमार भाटिया ने अपने वक्तव्य में बताया की यह एक आधुनिक तरीका है पौधे लगाने का इसके माध्यम से हम हजारो वृक्ष लगा सकते है। इस नवाचार तरीके से हम मिट्टी और गोबर को एक बॉल रुपी आकर में बना लेते है जिसमें विभिन्न प्रकार के बीज को बॉल में शामिल करते है, इसको सीडबौल कहते है। आने वाले समय में हम सेना के नाम से भी वृक्ष लगाएंगे। डॉ यू के चौधरी ने बताया की मण्डल स्तर पर इस कार्यक्रम

को करना है और सीड बॉल के माध्यम से हम पर्यावरण को बढ़ायेंगे और अधिक मात्रा में पौधे लगाएंगे। उत्तर पूर्वी जिला हजारों वृक्ष लगाकर बहुत बड़ा कीर्तिमान स्थापित करेगा। राहुल गौड ने आने वाले दिनों में सेना के नाम वृक्ष लगाने का आवाहन किया और सभी का धन्यवाद भी किया। मीडिया प्रभारी दीपक चौहान ने बताया की सीड बॉल एक बहुत अच्छी शुरूआत है। इसको हम वनो में, बगीचो मे और जहाँ हमे वृक्ष लगाने है वहां बॉल की तरह उछाल कर फेक सकते है। इन सीड बॉल को नमी मिलते है बीज अंकुरित होने लगेगा। बृजेश सिंह ने बताया यहाँ जो भी पौधे लगाए गए हैं वह यमुना मैया के तट पर लगाए गए है इनका रख रखाव करना हमारी जिम्मेदारी है जो कि हम सब निभाएंगे और इन पौधों को बचाएंगे।

कार्यक्रम में नवनीता गुड़िया, सत्यदेव चौधरी, हितेंदर त्यागी, सौरभ चातक, बॉबी ठाकुर, अमर राय, वंश पांडेय व समस्त मण्डल अध्यक्ष, निगम पार्षद, जिला व प्रदेश के पदाधिकारी उपस्थित रहे।

अमरनाथ यात्रा के लिए 4,000 से अधिक तीर्थयात्रियों का एक और जत्था रवाना

(एजेन्सी)।

दक्षिण कश्मीर हिमालय में 3,880 मीटर ऊंचाई पर स्थित अमरनाथ गुफा मंदिर में बाबा बर्फानी के दर्शन करने के लिए भगवती नगर आधार शिविर से 900 महिलाओं सहित 4,388 तीर्थयात्रियों का 20वां जत्था रविवार को रवाना हुआ। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अनंतनाग में नुनवान-पहलगाम और गांदरबल में बालटाल मार्गों से यह 38 दिवसीय वार्षिक यात्रा तीन जुलाई को शुरू हुई थी। उन्होंने बताया कि अब तक 2.90 लाख से ज्यादा तीर्थयात्री बाबा बर्फानी के दर्शन कर चुके हैं। अधिकारियों के अनुसार, दोनों मार्गों पर यात्रा सुचारू रूप से जारी है और आज (रविवार को) दिन में तीर्थयात्रियों की संख्या तीन लाख के आंकड़े को पार कर जाने की संभावना है। उन्होंने बताया कि 130 साधुओं एवं साध्वियों सहित तीर्थयात्रियों का एक और जत्था कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच अलग-अलग काफिलों में आधार शिविर से पहलगाम और बालटाल के लिए रवाना हुआ। अधिकारियों ने बताया कि 115 वाहनों के काफिले में 2,815 तीर्थयात्री पहलगाम के लिए रवाना हुए, जबकि 95 वाहनों में सवार 1,573 तीर्थयात्रियों ने बालटाल मार्ग को प्राथमिकता दी। यह तीर्थयात्रा नौ अगस्त को रक्षा बंधन के दिन समाप्त होगी।

समाज कल्याण मंत्री रविन्द्र इंद्राज ने कांवड़ियों पर फूल बरसाकर किया अभिनंदन

संजना भारती संवाददाता

नई दिल्ली। समाज कल्याण मंत्री रविन्द्र इंद्राज सिंह ने रोहिणी सेक्टर-20 में शिव मंदिर पर कांवड़ियों का अभिनंदन किया। इस अवसर पर उन्होंने श्रद्धालुओं पर पुष्पवर्षा की और उनकी कठिन यात्रा के प्रति आभार एवं शुभकामनाएं व्यक्त कीं।

श्री इंद्राज ने कहा कि दिल्ली सरकार श्रद्धालुओं की आस्था और जनभावनाओं का पूर्ण सम्मान करती है। माननीय मुख्यमंत्री श्रीमती रेखा गुप्ता के नेतृत्व में कांवड़ यात्रा के दौरान अभूतपूर्व और ऐतिहासिक व्यवस्थाएं की गई हैं। उन्होंने कहा कि दिल्ली शिवमय हो गई है। विभिन्न स्थानों पर ज्योतिर्लिंगों की प्रेरणा से 17 भव्य स्वागत द्वार बनाए गए हैं। दिल्ली में कुल 374 कांवड़ शिविर स्थापित किए गए हैं, जो पिछले वर्ष की तुलना में दोगुनी से अधिक संख्या में हैं। इन शिविरों में ठहरने, पेयजल, भोजन एवं बिजली की समुचित व्यवस्था की गई है।

समाज कल्याण मंत्री ने कहा कि दिल्ली से होकर गुजरने वाले और दिल्ली से जाने वाले कांवड़ियों की संख्या करोड़ों में है। कांवड़ यात्रा एक आध्यात्मिक अनुभव है और दिल्ली वासी श्रद्धालुओं की सेवा और सहयोग से इस आयोजन को सफल बना रहे हैं।

सम्पादकीय

कानून–व्यवस्था को लेकर उठ रहे हैं गंभीर सवाल

बिहार में एक बार फिर कानून–व्यवस्था को लेकर गंभीर सवाल उठ रहे हैं। बेखौफ अपराधियों का आतंक, दिन–दहाड़े हत्याएं, लूट, अपहरण और महिलाओं के खिलाफ बढ़ते अपराध यह संकेत दे रहे हैं कि सुशासन बाबू के नाम से मशहूर नीतीश कुमार का प्रशासन कहीं अपने वादों और आदर्शों से भटकता नजर आ रहा है। आगामी विधानसभा चुनाव की दस्तक के बीच आमजन में यह सवाल तेजी से उभर रहा है कि क्या बिहार में सुशासन अब फिर से जंगलराज में तब्दील हो रहा है? क्योंकि व्यापारियों, राजनेताओं, वकीलों, शिक्षकों और आम नागरिकों को निशाना बनाकर की गई लगातार हत्याओं ने बिहार की कानून–व्यवस्था को लेकर गंभीर चिंताएं पैदा कर दी हैं। पुलिस इन घटना के लिए अवैध हथियारों और गोला–बारूद की व्यापक उपलब्धता को जिम्मेदार ठहरा रही है, पुलिस के उच्च अधिकारियों के कुछ बेतूके बयान हास्यास्पद एवं शर्मनाक होने के साथ चिन्ताजनक है। उनके हिसाब से जून में ज्यादा वारदात होती हैं, क्योंकि मॉनसून आने के पहले तक किसान खाली बैठे होते हैं। राज्य की राजधानी पटना के एक प्राइवेट हॉस्पिटल में दिनदहाड़े 5 शूटर्स ने जिस तरह एक गैंगस्टर की हत्या की, उससे यही लगता है कि कानून–व्यवस्था का डर खत्म हो चुका है। पिछले 10 दिनों में एक के बाद एक कई आपराधिक घटनाओं में व्यापारी गोपाल खेमका, भाजपा नेता सुरेंद्र कुमार, एक 60 वर्षीय महिला, एक दुकानदार, एक वकील और एक शिक्षक सहित कई हत्याओं ने चुनावी राज्य को हिलाकर रख दिया है। बिहार में कानून और व्यवस्था की स्थिति को लेकर राजनीतिक घमासान चरम पर है। विपक्ष, खासकर राष्ट्रीय जनता दल (राजद) और कांग्रेस, जहां नीतीश कुमार के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार पर लगातार हमलावर है, वही एनडीए इन मुद्दों पर जबावी एवं रक्षात्मक हमला करते हुए चुनाव पर इनके असर को बेअसर करने में जुटी है। लालू यादव के शासनकाल के जंगलराज की भी याद दिलाने की कोशिश एनडीए की पार्टियां कर रही है ताकि विपक्ष इन मामलों पर ज्यादा हावी ना हो। भाजपा के प्रवक्ता शाहनवाज हुसैन का कहना है कि बिहार की जनता लालू राज में जो जंगलराज था, उसे भूली नहीं हैं। विपक्ष चाहे जो भी आरोप लगाए बिहार में आज सुशासन का राज है और जो घटनाएं हुई हैं वह योजनागत अपराध के तहत है, जिस पर सरकार कड़ी करवाई कर रही है। हॉस्पिटल में जिसकी हत्या हुई, वह खुद हत्या के मामले में जेल में बंद था और फिलहाल पैरोल पर बाहर आया था। शुरूआती रिपोर्ट्स के मुताबिक, इस वारदात में विरोधी गैंग शामिल हो सकता है। इसका मतलब कि राज्य में संगठित अपराध फिर सिर उठा रहा है। इसी महीने, 4 जुलाई को बिहार के बड़े व्यवसायी गोपाल खेमका की हत्या हुई थी और उसमें भी भाड़े के शूटर्स का इस्तेमाल किया गया था। ऐसी हत्याएं बार–बार हो रही हैं, यह सिलसिला कहीं रुकता नहीं दिख रहा। पक्ष एवं विपक्ष के राजनीतिक दल एवं नेता चाहे जो बयान दें, लेकिन बिहार में अपराध तो बढ़ ही रहे हैं, आमजनता में भय एवं असुरक्षा व्याप्त है।। हाल ही में राजधानी पटना, मुजफ्फरपुर, दरभंगा, और गया जैसे प्रमुख शहरों में हुईं हत्या और डकैती की घटनाएं न केवल भयावह हैं, बल्कि यह भी दिखाती हैं कि अपराधी अब पुलिस और प्रशासन से नहीं डरते और पुलिस का अपराधियों पर नियंत्रण खत्म होता जा रहा है। सड़क पर चल रहे आम लोगों को दिनदहाड़े गोली मार दी जाती है, व्यापारियों से रंगदारी मांगी जाती है, महिलाओं के साथ दुष्कर्म की घटनाएं बढ़ रही हैं। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो के आंकड़े बताते हैं कि बिहार भले अपराध में कई दूसरे राज्यों से पीछे दिखता हो, लेकिन सच यही है कि आंकड़े पूरी कहानी नहीं बताते। राज्य में ये अपराध तब हो रहे हैं, जब पूरा फोकस क्राइम कंट्रोल पर है। बिहार में पिछले तीन वर्षों में अपराध दर में निरंतर वृद्धि हुई है। हत्या, बलात्कार, अपहरण, और लूट जैसे संगीन अपराधों में राज्य शीर्ष स्थानों में शामिल हो गया है। यह स्थिति न केवल चिंताजनक है, बल्कि चुनावी राजनीति में एक बड़ा मुद्दा बनकर उभर रही है।

जयंती

आनंद बख़्शी

जन्म–21 जुलाई 1930 ; मृत्यु–30 मार्च 2002) एक लोकप्रिय भारतीय कवि और गीतकार थे। आनंद बख़्शी का जन्म पाकिस्तान के रावलपिंडी शहर में 21 जुलाई 1930 को हुआ था। आनंद बख़्शी को उनके रिश्तेदार प्यार से नंद या नंदू कहकर पुकारते थे। बख़्शी उनके परिवार का उपनाम था, जबकि उनके परिजनों ने उनका नाम 'आनंद प्रकाश' रखा था, लेकिन फिल्मी दुनिया में आने के बाद 'आनंद बख़्शी' के नाम से उनकी पहचान बनी। आनंद बख़्शी के दादाजी सुघरमल वैद बख़्शी रावलपिण्डी में ब्रिटिश राज के दौरान सुपरिंटेंडेण्ट ऑफ पुलिस थे। उनके पिता मोहन लाल वैद बख़्शी रावलपिण्डी में एक बैंक मैनेजर थे, और जिन्होंने देश विभाजन के बाद भारतीय सेना को सेवा प्रदान की। नेवी में बतौर सिपाही उनका कोड नाम था 'आजाद'। आनंद बख़्शी ने केवल 10 वर्ष की आयु में अपनी माँ सुमित्रा को खो दिया और अपनी पूरी ज़िंदगी मातृ प्रेम के पिपासु रह गए। उनकी सौतेली माँ ने उनके साथ अच्छा व्यवहार नहीं किया। इस तरह से आनंद अपनी दादीमाँ के और करीब हो गए। आनंद बख़्शी साहब ने अपनी माँ के प्यार को सलाम करते हुए कई गानें भी लिखे जैसे कि "माँ तुझे सलाम" (खलनायक), "माँ मुझे अपने आंचल में छुपा ले" (छोटा भाई), "तू कितनी भोली है" (राजा और रंक) और "मैंने माँ को देखा है" (मस्ताना)।

पुण्यतिथि

लालजी टंडन

जन्म–12 अप्रैल, 1935; मृत्यु–21 जुलाई, 2020) भारत के प्रसिद्ध तथा वरिष्ठ राजनीतिज्ञों में से एक थे। वह लखनऊ से 15वीं लोक सभा (2009–2015) के सदस्य रहे। मूल रूप से उत्तर प्रदेश की राजनीति में सक्रिय रहने वाले लालजी टंडन प्रदेश की भाजपा सरकारों में मंत्री रहे। अटल बिहारी वाजपेयी के वह निकट सहयोगी थे। लालजी टंडन ने अटल बिहारी वाजपेयी के चुनाव क्षेत्र लखनऊ की कमान संभाली थी।

कल मिलेंगे

एक आदमी डॉक्टर के पास गया।
आदमी: डॉक्टर साहब, मुझे कुछ समझ नहीं आ रहा है, मैं क्या करूँ?
डॉक्टर: क्यों, क्या हुआ?
आदमी: बस, हर बात में 'हाँ' बोल देता हूँ।
डॉक्टर: हाँ।
आदमी: (हैरान होकर) ये क्या? आप भी 'हाँ' बोल रहे हैं?
डॉक्टर: हाँ।

संजना भारती दैनिक

भगवान शंकर जी के 11वें रुद्रावतार हनुमान जी (मेंहदीपुर, श्री बाला जी) के संरक्षण में संचालित किया जाता है। समाचार पत्र का यह अंक भी उन्हीं के चरणों में श्रद्धापूर्वक समर्पित है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक-**संजय कुमार** द्वारा आर.डी. प्रिंटर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड, ए-41, सेक्टर-8, नोएडा, उत्तर प्रदेश से मुद्रित तथा ए-281सी, गली नं. 3, ए-ब्लॉक, अम्बिका विहार, शिव विहार, दिल्ली-110094 से प्रकाशित। इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत संपादक उत्तरदायी।

RNI No. : DELHIN/2016/70240

Phone No.: 9871221635

E-mail ID: sanjanabharati16@gmail.com

(किसी भी वाद-विवाद में न्याय क्षेत्र दिल्ली ही होगा।)

विपक्ष की लोकतंत्र पर चिंता या सत्तालोभ की राजनीति?

विपक्ष की भूमिका लोकतंत्र में रचनात्मक आलोचना और वैकल्पिक नीतियों के माध्यम से शासन को दिशा देना होती है। किंतु आज का विपक्ष न तो पाकिस्तान–चीन के खतरनाक मनसूबों, न गरीबी, न महंगाई, न बेरोजगारी, न सांप्रदायिक सौहार्द, न सीमा पर पड़ोसी देशों की चुनौती, और न ही किसानों, युवाओं और महिलाओं की समस्याओं को लेकर कोई ठोस योजना प्रस्तुत कर पा रहा है और न ही इन बुनियादी मुद्दों को प्रभावी ढंग से उठा पा रहा है

-ललित गर्ग

भारतीय लोकतंत्र आज विश्व के सबसे बड़े, जीवंत और जागरूक लोकतंत्रों में गिना जाता है। यह संविधान की मजबूत नींव, संस्थाओं की पारदर्शिता और जनता की जागरूकता से संचालित होता है। परंतु विडंबना यह है कि देश का विपक्ष, विशेषकर कांग्रेस और उनके नेता राहुल गांधी, बार-बार लोकतंत्र और संविधान पर खतरे की झूठी दुहाई देकर एक अनावश्यक और निरर्थक बहस छेड़ते रहे हैं, वे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं भाजपा को घेरने एवं दोषी ठहराने के लिये न केवल उन पर आधारहीन आरोप लगाते रहते हैं, वरन देश की संवैधानिक संस्थाओं, प्रक्रियाओं और संविधान के ही खतरे में होने का राग अलापते हुए उन्हें लांछित करने का प्रयास करते हैं। ऐसे नेता संविधान की दुहाई देते हैं, वे स्वयं संविधान और कानून की धज्जियां उड़ाते दिखते हैं। लोकतंत्र की आत्मा पर इस तरह का प्रहार विपक्ष की भूमिका पर एक बड़ा प्रश्न है। विडम्बना एवं चिन्ताजनक है कि राहुल गांधी अपनी विदेश यात्राओं में भी मोदी-भाजपा का विरोध करते-करते देश-विरोध पर उतर जाते हैं, जिससे विदेशों में भारत की छवि का भारी नुकसान होता है और विदेशियों को लगता था कि भारत में लोकतंत्र और संविधान ढह रहा है।

नेता-प्रतिपक्ष राहुल गांधी एवं उनके सहयोगी जब यह कहते हैं कि देश में लोकतंत्र समाप्त हो गया है, संविधान खतरे में है, तब यह केवल एक राजनीतिक शगूफा प्रतीत होता है, न कि कोई तर्कसम्मत आलोचना। यदि वास्तव में लोकतंत्र खतरे में होता, तो क्या वे हर मंच से खुलकर सरकार की आलोचना कर पाते? क्या संसद, मीडिया, चुनाव आयोग, और न्यायपालिका जैसी संस्थाएं उनके वक्तव्यों को स्थान देतीं? असल में तो 1975 में लोकतंत्र एवं संविधान खतरे में आये थे जब तत्कालिन प्रधानमंत्री श्रीमती इन्दिरा गांधी ने अपनी सरकार बचाने हेतु अनुच्छेद 352 के अंतर्गत आंतरिक अशांति के आधार पर आपातकाल लगाया तथा लोकतंत्र और संविधान को दरकिनार कर हजारों नेताओं एवं बेगुनाह लोगों को कठोर कानूनों के अंतर्गत जेल भेज दिया। आजादी के बाद तब पहली और आखरी बार लोकतंत्र खतरे में आया था, तब संविधान भी खतरे में चला गया था। राहुल गांधी अपने गिरेबान में झांकने एवं कांग्रेस के अतीत को देखने की बजाय मोदी-भाजपा पर लोकतंत्र एवं संविधान को खतरे में डालने का बेबुनियाद, भ्रामक एवं आधारहीन आरोप मंढते हैं। इन त्रासद स्थितियों में यह कहना अतिशयोक्ति नहीं होगी कि विपक्ष लोकतंत्र की रक्षा नहीं, बल्कि अपने खोए हुए जनाधार को पुनः प्राप्त करने के लिए लोकतंत्र को बदनाम करने का प्रयास कर रहा है। विशेषतः लोकसभा हो या विधानसभा के चुनाव-इनमें जरूरी एवं जनता से जुड़े विषयों को उठाने की बजाय लोकतंत्र एवं संविधान के खतरे में होने के राग से जनता को गुमराह करना आम बात हो गयी है।

देशभर में एवं अनेक राज्यों में बांग्लादेश, पाकिस्तान, नेपाल और म्यांमार आदि के अवैध घुसपैठियें बड़ी मात्रा में घुस आये हैं। अपने वोट बैंक को बढ़ाने के लिये इन घुसपैठियों को इन विपक्षी दलों की शह पर ही जगह मिल रही है, ये घुसपैठियें न केवल फर्जी तरीकों से आधार, पैन, राशन कार्ड, मतदाता पहचान पत्र आदि दस्तावेज प्राप्त कर कई निर्वाचन क्षेत्रों की मतदाता-सूचियों में अपना नाम अंकित करा लिया है। यह लोकतंत्र, राष्ट्रीय सुरक्षा एवं जनसंख्या संतुलन के लिए गंभीर खतरा है, चुनाव आयोग ने इस पर अपना रुख सख्त करते हुए सभी राज्यों में मतदाता सूचियों के गहन पुनरीक्षण का निर्णय लिया है। बिहार में वह ऐसे लोगों की पहचान संबंधी पहल कर चुका है, पर विपक्ष को इस पर आपत्ति है और इसे सर्वोच्च न्यायालय में चुनौती भी दी। न्यायालय ने आयोग की इस कार्रवाई पर रोक नहीं लगाई।

विपक्ष लम्बे समय से चुनाव आयोग को निशाना बना रहा है, कभी निष्पक्ष मतदान पर तो कभी मतदाता सूचियों के पुनरीक्षण पर सवाल उठाते रहा है। चूंकि चुनाव ही सत्ता की सीढ़ी है, इसलिए लोकसभा चुनाव में परास्त होने और अनेक राज्यों में अप्रासंगिक होने से चुनाव आयोग पर आरोप तथा लांछन लगाना विपक्ष के लिए काफी आसान हो गया है। कभी वह चुनाव आयुक्तों की नियुक्तियों और निर्णयों पर अंगुली उठाता है, कभी उसे भाजपा के इशारे पर काम करने वाला बताता है, कभी ईवीएम, मतदाता सूची में अनियमितता, डाटा देने में विलंब, दलीय पक्षपात आदि का मुद्दा उठाकर चुनाव आयोग की छवि नष्ट करने का प्रयास करता है। लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने बिहार में मतदाता सूची के पुनरीक्षण को हरी झंडी देकर विपक्ष की बोलती बंद कर दी।

विपक्ष की भूमिका लोकतंत्र में रचनात्मक आलोचना और वैकल्पिक नीतियों के माध्यम से शासन को दिशा देना होती है। किंतु आज का विपक्ष न तो पाकिस्तान-चीन के खतरनाक मनसूंबों, न गरीबी, न महंगाई, न बेरोजगारी, न सांप्रदायिक सौहार्द, न सीमा पर पड़ोसी देशों की चुनौती, और न ही किसानों, युवाओं और महिलाओं की समस्याओं को लेकर कोई ठोस योजना प्रस्तुत कर पा रहा है और न ही इन बुनियादी मुद्दों को प्रभावी ढंग से उठा पा रहा है। उनकी राजनीति केवल मोदी और भाजपा विरोध तक सीमित होकर रह गई है। जब राजनीति विकास की बजाय विरोध पर केंद्रित हो जाए, तो वह जनहित नहीं, केवल सत्ता की भूख बन जाती है।

विपक्षी दल मोदी एवं भाजपा पर लगातार आक्रामक हैं। राहुल गांधी और अन्य दलों के नेता संविधान की प्रति लहराकर यह दिखाने की कोशिश करते हैं जैसे संविधान खतरे में है और उन्हें उसे बचाना है। लेकिन भारत की जनता अब परिपक्व एवं समझदार हो गयी है, उसे अच्छा-बुरे में फर्क दिखता है। भाजपा पर तानाशाही, संविधान बदलने की साजिश, जनविरोधी नीतियों जैसे आरोप लगाना विपक्ष की आदत बन चुकी है। किंतु हर बार जनता ने चुनाव में स्पष्ट बहुमत देकर इन आरोपों को सिरे से खारिज किया है। जनता जानती है कि ऑपरेशन सिन्दूर, डिजिटल इंडिया, गरीबमुक्त भारत, आत्मनिर्भर भारत, महिला आरक्षण, जी-20 की सफल अध्यक्षता, भ्रष्टाचार पर कार्रवाई, गरीबों के लिए मुफ्त राशन, उन्नत सड़के, चमकती रेल एवं चमकते रेल्वे स्टेशन, घर, शौचालय और जल जैसी योजनाएं सिर्फ नारों से नहीं, संकल्प और समर्पण से संभव हुई हैं।

क्या राहुल गांधी या इंडी गठबंधन के पास कोई ठोस आर्थिक नीति, सुरक्षा रणनीति, या सामाजिक समरसता का ब्लूप्रिंट है? क्या वे यह बता सकते हैं कि वे भारत को किस दिशा में ले जाना चाहते हैं, या केवल मोदी विरोध को ही नीति मान बैठे हैं? भारतीय जनता राजनीतिक रूप से परिपक्व हो चुकी है। वह अब भावनात्मक और भ्रामक नारों के बजाय ठोस उपलब्धियों और दूरदर्शिता को प्राथमिकता देती है। ऐसे में विपक्ष का यह दुष्प्रचार केवल उनकी साख को ही नुकसान पहुंचा रहा है। विपक्ष को चाहिए कि वह सकारात्मक राजनीति करे, वैकल्पिक नीति प्रस्तुत करे, और जनता के विश्वास को अर्जित करे, न कि लोकतंत्र के अस्तित्व को ही संदेह के घेरे में लाकर अपनी विफलताओं पर पर्दा डाले। राजनीति केवल विरोध नहीं, समाधान का माध्यम होनी चाहिए।

लेखक, पत्रकार, स्तंभकार

(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

पंजाबी अखबारों की राय: मानवीय इच्छाशक्ति की विजय के प्रतीक थे फौजा सिंह

चंडीगढ़ से प्रकाशित रोजाना स्पोक्समैन अपने संपादकीय शीर्षक "युगपुरुष का निधन" में लिखता है–फौजा सिंह ने दुनिया के लगभग सभी महत्वपूर्ण शहरों में मैराथन स्पधाओं में हिस्सा लिया। ऐसा करने के पीछे कोई आर्थिक महत्वाकांक्षा या लालच नहीं था बल्कि अगर कोई पुरस्कार राशि होती, तो उसे सामाजिक या धार्मिक कार्यों के लिए दान कर देते थे

-डॉ. आशीष वशिष्ठ

मशहूर एथलीट फौजा सिंह का 114 साल की उम्र में सड़क हादसे में निधन, अहमदाबाद विमान दुर्घटना की प्रारंभिक जांच रिपोर्ट, पंजाब विधानसभा में पेश बेअदबी विरोधी विधेयक पर इस हफ्ते पंजाबी अखबारों ने अपनी राय प्रमुखता से रखी। चंडीगढ़ से प्रकाशित पंजाबी ट्रिब्यून अपने संपादकीय में लिखता है- 114 वर्षीय मैराथन धावक फौजा सिंह की अपने गृहनगर जालंधर के निकट एक सड़क दुर्घटना में मौत ने उस जीवन का अंत कर दिया, जिसने उम्र, सहनशक्ति और साहस की सीमाओं को चुनौती दी थी। वह सिर्फ. एक बुजुर्ग मैराथन धावक नहीं थे, बल्कि समय की मार पर मानवीय इच्छाशक्ति की विजय के प्रतीक थे। गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स ने जन्म प्रमाण पत्र की कमी के कारण उनके रिकॉर्ड को दर्ज करने से इनकार कर दिया, लेकिन फौजा सिंह को अपनी पात्रता साबित करने के लिए किसी भी कागजात की आवश्यकता नहीं थी और उन्होंने अपनी दौड़ जारी रखी। फौजा सिंह ने अपनी पहचान से कभी समझौता नहीं किया। उन्होंने लंदन मैराथन में बिना पगड़ी के दौड़ने से इनकार कर दिया। फौजा सिंह ने लोगों में उम्मीद जगाई और अनुशासन का पाठ भी पढ़ाया कि उम्र किसी भी चीज में बाधा नहीं बन सकती। उनकी प्रसिद्धि वैश्विक स्तर पर तब फैली जब उनकी तुलना मुहम्मद अली और डेविड बेकहम से की जाने लगी। अन्य लोगों के साथ, वह एडिडास के 'असंभव कुछ भी नहीं' अभियान का चेहरा बन गए।

जालंधर से प्रकाशित 'पंजाबी जागरण' लिखता है-फौजा सिंह ने बार-बार साबित किया कि उम्र बस एक संख्या है। अगर आपमें जुनून और साहस है, तो कोई भी चुनौती असंभव नहीं है। दुनिया उन्हें 'टर्बन्ड टॉरनेडो' के नाम से जानती थी क्योंकि भारत के प्रसिद्ध लेखक और पत्रकार खुशवंत सिंह ने 'टर्बन्ड टॉरनेडो' शीर्षक से उनकी जीवनी लिखी थी। सिमरनजीत सिंह ने बच्चों के लिए एक किताब लिखी, 'फौजा सिंह कीप्स गोइंग', जो सिख चरित्र पर केंद्रित पहली प्रमुख बच्चों की किताब थी। उनके जीवन पर कई वृत्तचित्र और फि ल्में बनीं, जिनमें 'फौजा सिंहः स्पिरिट ऑफ द मैराथन' और 'अनब्रोकन' शामिल हैं। अखबार आगे लिखता है- साल 2013 में, 101 वर्ष की आयु में, फौजा सिंह ने दौड़ से संन्यास ले लिया, लेकिन उन्होंने स्वास्थ्य, आनंद और दान के लिए दौड़ना जारी रखा। सादगी, शाकाहारी जीवनशैली और सिख सिद्धांतों के प्रति समर्पण ने उन्हें न केवल एक महान एथलीट बनाया, बल्कि एक प्रेरक व्यक्तित्व भी बनाया। उनकी विरासत पंजाब, पंजाबियों और दुनिया भर के लोगों को हमेशा प्रेरित करती रहेगी।

जालंधर से प्रकाशित 'अज दी आवाज' लिखता है-फौजा सिंह 'जब जागो, तब जागो' के आदर्श वाक्य के प्रत्यक्ष उदाहरण थे। उनके शुरूआती दिन बेहद चुनौतीपूर्ण थे। सरदार फौजा सिंह उन लोगों के लिए भी एक बेहतरीन उदाहरण रहेंगे जो उम्र की बाधाओं के कारण हिम्मत हार जाते हैं।

चंडीगढ़ से प्रकाशित रोजाना स्पोक्समैन अपने संपादकीय शीर्षक "युगपुरुष का निधन" में लिखता है-फौजा सिंह ने दुनिया के लगभग सभी महत्वपूर्ण शहरों में मैराथन स्पधाओं में हिस्सा लिया। ऐसा करने के पीछे कोई आर्थिक महत्वाकांक्षा या लालच नहीं था बल्कि अगर कोई पुरस्कार राशि होती, तो उसे सामाजिक या धार्मिक कार्यों के लिए दान कर देते थे। उनका पूरा जीवन इस कथन का उदाहरण है कि जो उम्र को बंधन नहीं मानते, उनके लिए किसी भी उम्र में आसमान से कोई दुर्लभ रत्न उतार लाना कोई मुश्किल काम नहीं है।

पंचकूला से प्रकाशित निर्भय सोच लिखता है-वे एक महान व्यक्ति थे। वे सिख जगत के लिए गौरव का स्त्रोत थे। उन्होंने विश्व में सिखों की पहचान बनाने में बहुमूल्य योगदान दिया है। उनका जीवन आने वाली पीढ़ी के लिए मार्गदर्शक और प्रेरणा का स्त्रोत रहेगा।

बीते 12 जून को अहमदाबाद में हुए विमान हादसे के एक महीने बाद जारी प्रारंभिक जांच रिपोर्ट पर चंडीगढ़ से प्रकाशित 'पंजाबी ट्रिब्यून' लिखता है- विमान दुर्घटना जांच ब्यूरो द्वारा जारी रिपोर्ट में कहा गया है कि विमान के उड़ान भरने के एक सेकंड के भीतर ही इंजनों को ईंधन की आपूर्ति बंद कर दी गई थी। क्या यह सॉफ्टवेयर की खराबी के कारण हुआ या मानवीय भूल के कारण? इस अत्यंत महत्वपूर्ण प्रश्न ने गंभीर अटकलों को जन्म दिया है, जबकि एयरलाइन पायलट्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया ने यह आरोप लगाया है कि जांच में 'पायलट की गलती' को स्वीकार किया गया है, और ऐसा प्रतीत होता है कि समय से पहले ही निष्कर्ष पर पहुंच गई है। अखबार लिखता है-इस दुर्घटना ने लोगों की विश्वसनीयता को भी गहरा धक्का पहुंचाया है। जालंधर से प्रकाशित अजीत लिखता है-अहमदाबाद विमान हादसा देश के हवाई यात्रा इतिहास का सबसे बुरा हादसा था। इसने हवाई यात्रा की सुरक्षा के बारे में कई सवाल खड़े किए हैं। एक महीने बाद जारी दुर्घटना की पहली रिपोर्ट में यह नहीं बताया गया कि यह मानवीय भूल थी या तकनीकी गड़बड़ी। पूरी और विस्तृत रिपोर्ट जारी होने में महीनों या सालों भी लग सकते हैं। अखबार लिखता है– भले ही आज हवाई यात्रा प्रणाली को हर दृष्टि से दोषरहित बनाने के लिए बहुत कुछ किया गया है, फिर भी ऐसी दुर्घटना का होना अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है और विमानन कंपनियों के लिए भी एक बड़ी चुनौती है।

पटियाला से प्रकाशित 'चढ़दीकलां' लिखता है, यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि क्या दुर्घटना के बाद विमानन नियामक और संबंधित कंपनियों ने जो सतर्कता और गंभीरता दिखाई, वह पहले नहीं दिखाई गई थी? अगर नहीं, तो अभी इसकी जरूरत क्यों है? तो क्या अनिवार्य सावधानियों की यह व्यवस्था भविष्य में भी प्रासंगिक रहेगी? यह सवाल इसलिए भी अहम है क्योंकि आमतौर पर किसी दुर्घटना से मिले सबक का असर प्रशासनिक व्यवस्था पर ज्यादा देर तक नहीं रहता और व्यवस्था फिर से उसी ढर्रे पर चलने लगती है।

पंजाब में धर्मग्रंथों के अपमान यानी बेअदबी से जुड़ा बेअदबी विरोधी विधेयक बीते दिनों विधानसभा में पेश किया गया। बेअदबी विधेयक पर पटियाला से प्रकाशित 'चढ़दीकलां' लिखता है-आम आदमी पार्टी ने पंजाब की जनता से यह वादा किया था कि श्री गुरु ग्रंथ साहिब की बेअदबी के दोषियों को कड़ी सजा दी जाएगी। विपक्ष इस सरकार पर आरोप लगाता रहा है कि उसने पिछले साढ़े तीन वर्षों में बेअदबी के दोषियों के खिलाफ कार्रवाई नहीं की है। जैसा कि कहते हैं, देर आए दुरुस्त आए। पंजाब विधानसभा ने धार्मिक ग्रंथों की बेअदबी के विरुद्ध विशेष विधेयक को पारित करने के लिए विशेष सत्र बुलाया था। इस विधेयक पर चार घंटे तक बहस हुई।

चंडीगढ़ से प्रकाशित रोजाना स्पोक्समैन लिखता है-पंजाब पवित्र धर्मग्रंथों के विरुद्ध अपराधों की रोकथाम विधेयक, 2025' शीर्षक वाले इस नए विधेयक में श्री गुरु ग्रंथ साहिब, भगवद् गीता, कुरान शरीफ और बाइबिल जैसे पवित्र धार्मिक ग्रंथों का अपमान करने वालों के लिए आजीवन कारावास तक की सजा का प्रावधान किया गया है। विधेयक पर बहस के दौरान भाजपा विधायकों ने मांग की कि हनुमान चालीसा और राम चरित मानस को भी इस विधेयक के दायरे में लाया जाना चाहिए। अखबार लिखता है-पंजाब में बेअदबी बड़ा संवेदनशील मुद्दा रहा है। पूर्ववर्ती भाजपा-अकाली दल और कांग्रेस सरकारों को इस मुद्दे पर जनता का गुस्सा झेलना पड़ा है। इससे पहले तीन बार बेअदबी विधेयक विफल हो चुका है। अब चौथे विधेयक को पहले तीन विधेयकों जैसा बनने से बचाने के लिए जरूरी है कि सभी पुराने और नए कानूनी पहलुओं पर गंभीरता से विचार किया जाए। मुद्दे की गंभीरता और संवेदनशीलता के मद्देनजर विधेयक को विधायकों की एक प्रवर समिति को सौंपने का निर्णय लिया गया। समिति इसके प्रावधानों पर जनता सहित सभी हितधारकों से सुझाव मांगेगी, और छह महीने में अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत करेगी।

(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

खेल/विदेश/कारोबार/फिल्म

कामचटका के पास 7.4 तीव्रता का शक्तिशाली भूकंप

(एजेन्सी)।

अमेरिकी राष्ट्रीय सुनामी चेतावनी केंद्र के अनुसार, रविवार, 20 जुलाई 2025 को रूस के सुदूर पूर्वी तट कामचटका के पूर्वी तट पर आए 7.4 तीव्रता के शक्तिशाली भूकंप के बाद रूस और हवाई के कुछ हिस्सों के लिए सुनामी की चेतावनी जारी की गई है। यह भूकंप 10 किलोमीटर की उथली गहराई पर आया। शुरूआत में जर्मन भूविज्ञान अनुसंधान केंद्र ने इस भूकंप की तीव्रता 6.7 बताई थी। हालांकि, बाद में यूरोपीय भूमध्यसागरीय भूकंप विज्ञान केंद्र और अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण ने इसे संशोधित कर 7.4 तीव्रता कर दिया।

संयुक्त राज्य भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के अनुसार, इस क्षेत्र में कुल पाँच भूकंप दर्ज किए गए हैं, जिनमें से सभी लगभग 10 किलोमीटर की समान गहराई पर थेः

तीव्रता 6.6ः पेत्रोपावलोव्स्क-कामचत्स्की, रूस से 147 किमी पूर्व।
तीव्रता 6.7ः पेत्रोपावलोव्स्क-कामचत्स्की, रूस से 151 किमी पूर्व।
तीव्रता 7.4ः पेत्रोपावलोव्स्क-कामचत्स्की, रूस से 144 किमी पूर्व।
तीव्रता 6.7ः पेत्रोपावलोव्स्क-कामचत्स्की, रूस से 130 किमी पूर्व।
तीव्रता 7.0ः पेत्रोपावलोव्स्क-कामचत्स्की, रूस से 142 किमी पूर्व।

इनमें से 08ः49 GMT पर आए 7.4 तीव्रता के भूकंप के बाद ही सुनामी की चेतावनी जारी की गई है। USGS ने चेतावनी दी है कि भूकंप के केंद्र से 300 किलोमीटर (186 मील) के दायरे में, प्रशांत महासागर में स्थित पेत्रोपावलोव्स्क-कामचत्स्की शहर के पास, 'खतरनाक सुनामी लहरें' उत्पन्न हो सकती हैं। अधिकारी स्थिति पर कड़ी नजर रख रहे हैं और संबंधित क्षेत्रों में सतर्कता बरती जा रही है। अब तक, भूकंप से किसी बड़े नुकसान या जानमाल के नुकसान की कोई खबर नहीं है।

ऑनलाइन सट्टेबाजी मामले में ईडी ने गूगल और मेटा को भेजा नोटिस

(एजेन्सी)।

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने शनिवार को ऑनलाइन सट्टेबाजी ऐप मामलों की जाँच के सिलसिले में तकनीकी दिग्गज गूगल और मेटा को नोटिस जारी कर उन्हें 21 जुलाई को पूछताछ के लिए तलब किया है। यह कदम जाँच के एक महत्वपूर्ण विस्तार का संकेत देता है, जिसमें पहले ही कई मशहूर हस्तियों और प्रभावशाली लोगों को कथित अवैध जुआ प्लेटफार्मों को बढ़ावा देने के आरोप में जाँच के घेरे में देखा जा चुका है। ईडी ने गूगल और मेटा दोनों पर उन सट्टेबाजी ऐप्स के प्रचार में सक्रिय रूप से मदद करने का आरोप लगाया है, जिनकी वर्तमान में मनी लॉन्ड्रिंग और हवाला लेनदेन सहित गंभीर वित्तीय अपराधों के लिए जाँच चल रही है।

अधिकारियों का आरोप है कि इन तकनीकी कंपनियों ने प्रमुख विज्ञापन स्लॉट प्रदान किए और इन ऑनलाइन सट्टेबाजी प्लेटफार्मों से जुड़ी वेबसाइटों को अपने-अपने प्लेटफार्मों पर दृश्यता प्राप्त करने की अनुमति दी, जिससे इन अवैध गतिविधियों की व्यापक पहुँच में योगदान मिला। यह ताजा घटनाक्रम हाल के हफ़्तों में ईडी द्वारा की गई कई कार्रवाइयों के बाद आया है। एजेंसी ऑनलाइन सट्टेबाजी ऐप्स के एक विशाल नेटवर्क की बारीकी से जाँच कर रही है, जिनमें से कई पर कौशल-आधारित खेलों का भेष धारण करने और वास्तव में अवैध जुए में लिप्त होने का संदेह है। माना जाता है कि इन प्लेटफॉर्म ने करोड़ों रुपये की अवैध धनराशि उत्पन्न की है, जिसे अक्सर पकड़े जाने से बचने के लिए जटिल हवाला चैनलों के जरिए भेजा जाता है।

पिछले हफ़्ते, ईडी ने इन अवैध सट्टेबाजी ऐप्स को कथित तौर पर बढ़ावा देने के आरोप में 29 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया, जिनमें प्रमुख अभिनेता, टेलीविजन होस्ट और सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स शामिल हैं। प्रकाश राज, राणा दग्गुबाती और विजय देवरकोंडा जैसी हस्तियों के नाम प्रवर्तन मामला सूचना रिपोर्ट (ईसीआईआर) में शामिल हैं, जिन पर आरोप है कि उन्हें इन ऐप्स का प्रचार करने के लिए भारी वित्तीय मुआवजा मिला। इन मामलों में महादेव बेटिंग ऐप एक हाई-प्रोफाइल वित्तीय घोटाला है, जिसका कुल घोटाला 6,000 करोड़ रुपये से ज्यादा का होने का अनुमान है। इस मामले में कई बॉलीवुड हस्तियों से पूछताछ की गई है, जिसमें राजनीतिक रिश्वतखोरी के आरोप भी शामिल हैं, जिसमें ईडी का यह दावा भी शामिल है कि छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल को ऐप के प्रमोटरों से 500 करोड़ रुपये से ज्यादा मिले थे।

एक अन्य मामला फेयरप्ले आईपीएल सट्टेबाजी ऐप से जुड़ा है, जिसने आईपीएल मैचों की अवैध रूप से स्ट्रीमिंग की और अनधिकृत ऑनलाइन सट्टेबाजी को बढ़ावा दिया, जिससे टूनामेंट के आधिकारिक प्रसारक वायकॉम18 को भारी राजस्व हानि हुई। जाँच में कई भारतीय हस्तियाँ शामिल हैं जिन्होंने इस ऐप का समर्थन किया, जिससे इसे एक बड़ा उपयोगकर्ता आधार प्राप्त करने में मदद मिली, और इसके परिणामस्वरूप कई लोगों की गिरफ़्तारियाँ हुईं, सैकड़ों करोड़ रुपये की संपत्ति जब्त की गई और उनके खिलाफ आरोपपत्र दायर किए गए।

पाकिस्तान में मानसून के दौरान बारिश से जुड़ी घटनाओं में 10 और लोगों की मौत

(एजेन्सी)।

पाकिस्तान में मानसून के दौरान वर्षाजनित हादसों में रविवार को 10 और लोगों की मौत हो जाने से इस प्रकार की घटनाओं में अब तक मारे गएलोगों की संख्या 200 के पार हो चुकी हैं। देश के मुख्य आपदा नियंत्रण निकाय ने यह जानकारी दी। राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीएमए) ने बताया कि शनिवार को 10 और लोग मारे गए तथा 18 लोग घायल हो गए। इसके साथ ही अब मृतकों की कुल संख्या 203 पहुंच गई है जबकि घायलों की कुल संख्या 562 है।

मानसून की पहली बारिश 26 जून को हुई थी और इस दौरान देश के उत्तर-पश्चिम में अचानक बाढ़ आ गई थी। रविवार को पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में नौ लोगों की मौत हो गई और खैबर पख्तूनख्वा (केपी) में एक व्यक्ति की मौत हुई, जबकि पाकिस्तान के पंजाब में 17 और केपी में एक व्यक्ति समेत कुल 18 लोग घायल हो गए। एनडीएमए के आंकड़ों के अनुसार, 203 मौतों में से 123 पाकिस्तान के पंजाब में, 41 केपी में, 21 सिंध में, 16 बलूचिस्तान में और एक-एक मौत पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) तथा इस्लामाबाद राजधानी क्षेत्र में हुई। पाकिस्तान के पंजाब में कम से कम 454 लोग घायल हुए हैं, जबकि केपी में 58, सिंध में 40, बलूचिस्तान में चार और पीओके में छह लोग घायल हुए। एनडीएमए के अनुसार, आंशिक और पूर्ण रूप से क्षतिग्रस्त हुए कुल 767 मकानों में से 216 खैबर पख्तूनख्वा में, 162 पंजाब में, 124 गिलगित-बाल्टिस्तान में, 87 सिंध में, 78 पीओके में, 64 बलूचिस्तान में और 36 इस्लामाबाद राजधानी क्षेत्र में हैं। बारिश के कारण कम से कम 195 जानवर मारे गए।

दमदार और अद्भुत रहा नसीरुद्दीन शाह का फिल्मी करियर!

(एजेन्सी)।

बॉलीवुड के दिग्गज अभिनेता नसीरुद्दीन शाह अपने बेबाक अंदाज और उम्दा अभिनय के लिए जाने जाते हैं। नसीरुद्दीन एक ऐसे अभिनेता हैं, जिनके करियर का कैनवास काफी विस्तृत है। उन्होंने व्यवसायिक से लेकर आर्ट फिल्मों में काम किया है और बड़े पर्दे पर तरह-तरह के रोल किए हैं। हालांकि नसीर को बॉलीवुड में काम पाने के लिए काफी संघर्ष करना पड़ा था। वहीं धर्म के कारण उनको काफी ताने भी सुनने को मिले। आज यानी की 20 जुलाई को नसीरुद्दीन शाह अपना 75वां जन्मदिन मना रहे हैं। तो आइए जानते हैं उनके जन्मदिन के मौके पर अभिनेता नसीरुद्दीन शाह के जीवन से जुड़ी कुछ रोचक बातों के बारे में...

जन्म और परिवार-उत्तर प्रदेश के बाराबंकी में 20 जुलाई 1950 का नसीरुद्दीन शाह का जन्म हुआ था। उन्होंने नेशनल स्कूल ऑफ ड्रामा से अभिनय के गुर सीखे थे। इसके बाद फिर फिल्म इंडस्ट्री में अपनी जगह बनाई। साल 1982 में अभिनेता ने अभिनेत्री रत्ना पाठक से शादी की थी। नसीर और रत्ना तीन बच्चों इमाद शाह, हीबा शाह और विवान शाह के पेरेंट्स हैं।

करियर-वैसे तो नसीरुद्दीन ने अपने करियर में कई शानदार और बेहतरीन फिल्मों में काम किया है। वहीं अगर अभिनेता की कुछ चुनिंदा फिल्मों की बात करें, तो उसमें 'मासूम', 'आक्रोश', 'जाने भी दो यारों', 'निशांत', 'द्रोह काल', 'बाजार', 'पार', 'अर्द्ध सत्य', 'आघात', 'इकबाल', 'इजाजत', 'कथा', 'मंडी', 'जूनून', 'अल्बर्ट पिंटो को गुस्सा क्यों आता है', 'सरफरोश', 'मोहरा', 'परजानिया', 'इश्किया', 'द डर्टी पिक्चर' और 'ए वेडनेसडे' आदि शामिल हैंkइसके अलावा अभिनेता ने एक्शन, रोमांटिक और कॉमेडी फिल्मों में भी काम किया है।

आकाशदीप की चोट ने बढ़ाई भारत की चिंता, चौथे टेस्ट से बाहर हो सकते हैं

(एजेन्सी)। टीम इंडिया इंग्लैंड के खिलाफ 23 जुलाई यानी बुधवार से मैनचेस्टर में चौथा टेस्ट खेलेगी। लेकिन उससे पहले भारत को एक के बाद एक बड़े झटके लग रहे हैं। जहां अर्शदीप सिंह और आकाशदीप के चोट ने भारतीय टीम की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। दोनों ही गेंदबाज मैनचेस्टर मैच से बाहर होने की कगार पर हैं। फिलहाल, पांच मैचों की टेस्ट सीरीज में भारत 1-2 से पीछे चल रहा है। जिस कारण भारत को मैनचेस्टर मैच को हरहाल में जीतना होगा जिससे सीरीज बराबरी पर हो। इंग्लैंड के खिलाफ दूसरा और तीसरा टेस्ट मैच खेलने वाले आकाशदीप ग्रोइन की चोट से जूझ रहे हैं। लॉर्ड्स में खेले गए मैच के दौरान भी आकाशदीप को पीठ में दिक्कत थी। वह चौथे दिन दर्द में दिखे थे। तीसरे टेस्ट में आकाशदीप सिर्फ एक विकेट ही झटक पाए थे तो दूसरे टेस्ट में उन्होंने 10 विकेट लिए थे। आकाशदीप 23 जुलाई से होने वाले चौथे टेस्ट के लिए पूरी तरह तैयार नहीं है।

बाल संरक्षण आयोग के सदस्य ने किया औचक निरीक्षण

संजना भारती संवाददाता

अररिया। बिहार बाल अधिकार संरक्षण आयोग पटना के सदस्य सुग्रीव कुमार दास द्वारा रविवार को सहायक निदेशक जिला बाल संरक्षण इकाई अररिया, शंभू कुमार रजक के साथ विशिष्ट दत्तकग्रहण संस्थान, अररिया का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान उनके द्वारा आवासित एक बच्चे को काफी स्नेह किया गया। इस क्रम में उन्होंने विशिष्ट दत्तकग्रहण संस्थान, अररिया के साफ सफाई सहित अन्य व्यवस्था के प्रति प्रसन्नता जाहिर की।

निरीक्षण के उपरांत सदस्य द्वारा जयप्रकाश नगर अररिया स्थित कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय पहुंचे, जहां उन्होंने साफ-सफाई सहित अन्य सुविधाओं को दुरूस्त करने हेतु आवश्यक दिशा निर्देश दिये। उन्होंने जवाहर नवोदय विद्यालय अररिया का भी निरीक्षण किया और वहां की व्यवस्था पर प्रसन्नता जाहिर की। सदस्य द्वारा डॉ अंबेडकर कल्याण छात्रावास रानीगंज का भी निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के क्रम में मीनू अनुसार भोजन एवं साफ-सफाई पर विशेष ध्यान देने का निर्देश दिया गया। इसके उपरांत प्लस टू पिछड़ा एवं अति पिछड़ा कल्याण कन्या आवासीय विद्यालय रानीगंज का निरीक्षण किया गया, जिसका संचालन लगभग एक सप्ताह पूर्व में हुआ है। वहां सदस्य द्वारा यथा शीघ्र बिजली कनेक्शन लगाने हेतु निर्देश दिया गया।

'वर्तमान सरकार में दलगत राजनीति से ऊपर उठकर किए जा रहे हैं एक समान विकास कार्य'

नरवाना विधानसभा क्षेत्र आने वाले समय में रहेगा विकास कार्यों में अग्रणी: कृष्ण कुमार बेदी

संजना भारती संवाददाता

चंडीगढ़। हरियाणा के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री कृष्ण कुमार बेदी ने कहा कि वर्तमान केंद्र एवं प्रदेश सरकार में दलगत राजनीति से ऊपर उठकर एक समान विकास कार्य करवाए जा रहे हैं, जिनका समाज के सभी वर्गों को बराबर फायदा मिल रहा है। नरवाना के प्रत्येक नागरिक को चिकित्सा, शिक्षा और सुरक्षा सहित प्रत्येक सुविधा का लाभ मिले, उसके लिए वे प्रयासरत हैं।

श्री बेदी ने शनिवार को नरवाना विधानसभा क्षेत्र के गांव सच्चा खेड़ा में धन्यवादी दौरे के दौरान विकास कार्यों की बड़ी सौगात दी। उन्होंने शनिवार देर सायं गांव सच्चा खेड़ा में लगभग 5 करोड़ 25 लाख रुपये के विकास कार्यों की घोषणा करते हुए कई महत्वपूर्ण परियोजनाओं का शिलान्यास किया। उन्होंने गांव सच्चा खेड़ा से दबलैन तथा मंगलपुर तक दो सड़कों के विस्तारीकरण एवं निर्माण के लिए 2 करोड़ 70 लाख रुपए, गांव में विभिन्न विकास कार्यों के लिए 1 करोड़ 51 लाख रुपये तथा उपस्वास्थ्य केंद्र व दो चौपालों के निर्माण हेतु लगभग 88 लाख रुपये की घोषणा की है। उन्होंने ग्रामीणों को सभी मांगों को पूरा करने का आश्वासन देते हुए कहा कि गांव में जितने भी कार्य अभी बाकी हैं, उनके एस्टीमेट जल्द तैयार करवाकर संबंधित विभाग को भिजवादें। उनको भी पूरा करवाया जाएगा। कैबिनेट मंत्री ने कहा कि नरवाना विधानसभा क्षेत्र आने वाले समय में विकास कार्यों में अग्रणी रहेगा।

श्री बेदी ने आगामी 17 अगस्त को हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की नरवाना मेला मंडी में प्रस्तावित विकास रैली की में गांव से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि हल्का वासियों को विकास के मामले में चिंता करने की आवश्यकता नहीं है। इसके लिए वे स्वयं हैं। वे हर समय क्षेत्र व क्षेत्रवासियों के उत्थान की ही सोचते हैं। इस दिशा में सकारात्मक कदम भी उठाए जाएंगे। गांवों का विकास भी शहरी तर्ज पर किया जाएगा। उन्होंने कहा कि हरियाणा के लोगों ने केन्द्र व राज्य में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी व मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व पर विश्वास जताया और लगातार उन्हें जनसेवा का जो मौका दिया इस पर सरकार पूर्णतया खरी उतरेगी।

सरकार द्वारा लगातार ऐसी योजनाएं चलाई जा रही हैं जिसका फायदा सीधा लाभार्थियों तक पहुंच रहा है। उन्होंने कहा कि जनता के प्रतिनिधि की जिम्मेदारी बनती है कि वह हलका की जनता की सेवा करे। उनके हर प्रकार की सामुहिक और निजी कार्यों में पूर्ण सहयोग दें और उनके सुख दुख में साथ खड़ा रहे। हलका के विकास के लिए हर पल तैयार रहे और हलका की समस्याओं का समाधान करे। श्री कृष्ण कुमार बेदी ने रविवार को विधानसभा क्षेत्र नरवाना के वार्ड नम्बर 8 और 4 की लगभग 57 लाख रुपए की लागत से बनने वाली गली का शिलान्यास एवं उद्घाटन करने उपरांत एक जनसभा को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि सकारात्मक सोच वाले व्यक्तियों को ही विकास नजर आ रहा है। उन्होंने आगे कहा कि नगर पालिका के विकास कार्यों के गत समय में अटके हुए 17 करोड़ रुपये के विकास कार्य भी शुरू हो चुके हैं या करवाए जा चुके हैं। दबलैन वाला पुल का निर्माण करवाया गया व 27 किलोमीटर लंबी सीवरेज पाइप लाईन सहित अन्य विकास कार्यों को अमली जामा पहनाया गया। विधानसभा क्षेत्र को विकास की नई ऊंचाइयों तक ले जाने के लिए एवं चमकाने के लिए जनता ने मुझे प्रतिनिधित्व सौंपा है।

पंजाब और हरियाणा में पुलिस अदारों पर हमलों के पीछे बी.के.आई. माड्यूल का हाथ; तीन व्यक्ति गिरफ्तार

संजना भारती/विज्ञप्ति द्वारा

चंडीगढ़/ पटियाला। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के दिशा-निर्देशों अनुसार पंजाब को सुरक्षित राज्य बनाने के मद्देनजर चल रही मुहिम के दौरान बड़ी सफलता के अंतर्गत पंजाब पुलिस ने विदेशी हैंडलर मनिन्दर बिल्ला और मनु अगवान द्वारा चलाए जा रहे बब्बर खालसा इंटरनेशनल (बी. के. आई.) आतंकवादी माड्यूल का पदार्फाश करते हुये इसके तीन सदस्यों, जो पटियाला के बादशाहपुर और हरियाणा के अजीमगढ़ में पुलिस चौकियों पर ग्रेनेड हमलों में शामिल थे, को गिरफ़्तार किया है। यह जानकारी पुलिस डायरैक्टर जनरल (डीजीपी) पंजाब गौरव यादव ने रविवार को यहाँ दी।

यह आपरेशन काउन्टर इंटैलिजेंस (सीआइ) पटियाला और स्टेट स्पैशल आपरेशन सैल (एसएसओसी), एस. ए. एस. नगर द्वारा सांझे तौर पर चलाया गया। गिरफ़्तार किये गए व्यक्तियों की पहचान सन्दीप सिंह उर्फ दीपू निवासी बादशाहपुर (पटियाला), हरप्रीत सिंह उर्फ जग्गा निवासी हरचन्दपुरा(पटियाला) और हरमनप्रीत सिंह उर्फ प्रीत निवासी गुरदियालपुरा (पटियाला) के तौर पर हुई है।

गौरतलब है कि 1 अप्रैल, 2025 को पटियाला के पुलिस चौकी बादशाहपुर और 6 अप्रैल, 2025 को हरियाणा की पुलिस चौकी अजीमगढ़ पर ग्रेनेड हमले हुए थे। इन घटनाओं के बाद, बी. के. आई. के गुर्गों-हैपी पासिया, मनु अगवान और गोपी नवांशहरिया ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म के द्वारा इन आतंकवादी कार्यवाहियों की जिम्मेदारी ली थी।

डीजीपी ने कहा, इस मॉड्यूल को सफलतापूर्वक नष्ट करके पंजाब पुलिस ने राज्य में पुलिस अदारों पर हुए ग्रेनेड हमलों की दोनों घटनाओं की गुत्थी को सुलझा लिया है। उन्होंने यह भी कहा कि दोनों हैंडलर आतंकवादी हरविन्दर सिंह रिन्दा के निर्देशों पर काम कर रहे थे।

डीजीपी गौरव यादव ने कहा कि मॉड्यूल को लॉजिस्टिकल और वित्तीय सहायता प्राप्त हो रही थी। उन्होंने कहा कि प्राथमिक जांच से यह भी पता लगा है कि माड्यूल पंजाब में पुलिस अदारों पर और हमलों की सक्रियता से योजना बना रहा था, जबकि इस मामले में अगले-पिछले संबंधों का पता लगाने के लिए और जांच जारी है।

अन्य विवरण सांझा करते हुये ए. आई. जी. सी. आई. पटियाला डा. सिमरत कौर ने बताया कि पूछताछ के दौरान गिरफ़्तार किये व्यक्तियों ने कबूला है कि दोनों पुलिस अदारों पर हमलों की योजना उनके साथी गुरप्रीत सिंह उर्फ बब्बू ने बनाई थी, जो इस समय पटियाला जेल में बंद है और पुलिस की हिरासत में है। उन्होंने कहा कि जांच में पता लगा है कि मास्टरमाईंड गुरप्रीत सिंह उर्फ बब्बू ने बादशाहपुर हमले में शामिल होने के बदले सन्दीप सिंह उर्फ दीपू को 3-4 लाख रुपए देने का वायदा किया था, जबकि हरमनप्रीत सिंह उर्फ प्रीत को अजीमगढ़ हमले में साथ देने के लिए 10,000 रुपए दिए गए थे।

एआईजी ने कहा कि आगामी जांच जारी है और आने वाले दिनों में और गिरफ़्तारियाँ और बरामदगियां होने की संभावना है।

इस सम्बन्धी थाना ऐसऐसओसी एसएएस नगर में हथियार एक्ट की धाराओं 25 (1) (बी) और 61 (2) के अंतर्गत एफआईआर नंबर 11 तारीख 19/ 7/ 2025 को केस दर्ज किया गया है, जबकि विस्फोटक पदार्थ एक्ट की धाराएं 4, 5 और 6 बाद में जोड़ी गईं हैं।

मान सरकार 'जीवनजोत प्रोजेक्ट 2.0' के तहत प्रदेश को बाल भिक्षा मुक्त बनाने के लिए युद्धस्तर पर कर रही है प्रयास, भीख मांगते 21 बच्चों को किया गया रेस्क्यू: डॉ. बलजीत कौर

भीख मंगवाने वालों के खिलाफ सख़्त कार्रवाई, जरूरत पड़ी तो करवाई जाएगी डीएनए जांच: डॉ. बलजीत कौर

एसबी संवाददाता

चंडीगढ़। मुख्यमंत्री स भगवंत सिंह मान के नेतृत्व वाली पंजाब सरकार द्वारा प्रदेश को भिक्षा मुक्त बनाने के लिए युद्धस्तर पर अभियान चलाया जा रहा है। सामाजिक सुरक्षा, महिला एवं बाल विकास मंत्री डॉ. बलजीत कौर ने बताया कि जीवनजोत प्रोजेक्ट 2.0 के तहत लुधियाना और शहीद भगत सिंह नगर (नवांशहर) जिलों से कुल 21 भीख मांगते बच्चों को रेस्क्यू किया गया है। उन्होंने बताया कि विभाग की जिला बाल सुरक्षा टीम द्वारा लुधियाना के बस अड्डे, रेलवे स्टेशन और अन्य स्थानों पर विशेष छापेमारी करके 18 बच्चों को बचाया गया, जबकि शहीद भगत सिंह नगर (नवांशहर) से 3 अन्य बच्चों को रेस्क्यू किया गया। इन सभी बच्चों को बाल कल्याण समितियों के समक्ष प्रस्तुत करके फिलहाल सुरक्षित तौर पर बाल घरों में रखा गया है।

डॉ. बलजीत कौर ने कहा कि यदि जांच के दौरान यह सिद्ध होता है कि किसी व्यक्ति द्वारा इन बच्चों को भीख मांगने के लिए मजबूर किया गया है, तो उसके खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने यह भी बताया कि अगर किसी बच्चे के माता-पिता होने को लेकर शक होता है, तो बाल कल्याण समितियों द्वारा डिप्टी कमिश्नर के आदेशों के तहत डीएनए जांच भी करवाई जा सकती है, ताकि बच्चों की वास्तविक पहचान का पता लगाया जा सके। उन्होंने कहा कि पंजाब सरकार का सीधा उद्देश्य है कि हर बच्चे को सुरक्षित और बेहतर भविष्य वाला जीवन मिले। जीवनजोत 2.0 के तहत विभाग की ज़िला टीमें विभिन्न स्थानों पर लगातार छापेमारी कर रही हैं। उन्होंने बताया कि लुधियाना और शहीद भगत सिंह नगर (नवांशहर) के अलावा किसी अन्य जिले में भीख मांगते बच्चों के मामले सामने नहीं आए हैं, जो राज्य सरकार की जागरूकता मुहिम और नीतिगत इरादों की सफलता को दर्शाता है। डॉ. बलजीत कौर ने कहा कि राज्य से बाल भिक्षावृत्ति की भयावह समस्या को जड़ से समाप्त करने के लिए सामाजिक सुरक्षा विभाग की ज़िला कल्याण टीमें अपने-अपने क्षेत्रों में इस प्रकार की चेकिंग और छापेमारी लगातार जारी रखेंगी, ताकि एक भी बच्चा भीख मांगने के लिए मजबूर न हो।

अंत में उन्होंने राज्यवासियों से अपील की कि किसी भी बच्चे को भीख न दी जाए और यदि कहीं कोई बच्चा भीख मांगता नजर आए, तो तुरंत 1098 चाइल्ड हेल्पलाइन पर सूचना दी जाए, ताकि उस बच्चे को तुरंत सुरक्षा, देखभाल और उज्जवल भविष्य उपलब्ध कराया जा सके।

राज्य के विकास परियोजनाओं में बाधा न बनें: मुख्यमंत्री की भाजपा नेताओं को चेतावनी

संजना भारती/विज्ञप्ति द्वारा

धूरी (संगरूर)। राज्य की विकास परियोजनाओं में अनावश्यक बाधाएं डालने के लिए भाजपा नेताओं की निंदा करते हुए, पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने इन नेताओं को राज्य के विकास को खतरे में डालने के लिए ऐसे निंदनीय हथकंडों से दूर रहने की चेतावनी दी।

धूरी विधानसभा क्षेत्र में विकास कार्यों के लिए 3.07 करोड़ रुपए के फंड वितरित करने के बाद एक सभा को संबोधित करते हुए, मुख्य मंत्री ने कहा कि रेलवे मंत्रालय ने शहर के लिए रेलवे ओवर ब्रिज को मंजूरी दे दी है, जिसका भुगतान राज्य सरकार को करना है। उन्होंने आगे कहा कि राज्य के एक वरिष्ठ भाजपा नेता ने शहर का दौरा किया और अपने निजी राजनीतिक हितों के लिए इस परियोजना को रोकने संबंधी बयान जारी किया। इसके बाद, भगवंत सिंह मान ने कहा कि इस तरह के नाटक किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किए जाएंगे और पंजाब के समझदार लोग ऐसे राजनीतिक नेताओं को सबक सिखाएंगे।

मुख्य मंत्री ने घोषणा की कि इस आर.ओ.बी. का काम जल्द शुरू हो जाएगा क्योंकि वे इस मामले को व्यक्तिगत रूप से केंद्रीय रेलवे मंत्री के समक्ष उठाएंगे। उन्होंने यह भी घोषणा की कि राज्य सरकार धूरी में एक अत्याधुनिक खेल स्टेडियम भी बनाएगी। भगवंत सिंह मान ने आगे कहा कि संगरूर में मेडिकल कॉलेज के निर्माण का काम भी जल्द शुरू हो जाएगा, जो लोगों को उच्च गुणवत्ता वाली स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने के लिए प्रेरक के रूप में काम करेगा।

मुख्य मंत्री ने कहा कि युवा सशक्तिकरण के लिए बड़े प्रयास के तहत, राज्य सरकार पंजाब भर में आठ यूपीएससी कोचिंग सेंटर खोलने जा रही है और इसके साथ ही धूरी में भी ऐसा एक केंद्र स्थापित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि इन केंद्रों में राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए उच्च गुणवत्ता वाली प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए लाइब्रेरी, हॉस्टल, और अन्य आवश्यक सुविधाएं प्रदान की जाएंगी। भगवंत सिंह मान ने कहा कि ऐसी पहल यह सुनिश्चित करेंगी कि पंजाब के युवा राष्ट्रीय स्तर पर सफलता के लिए पूरी तरह तैयार हैं।

युद्ध नशे के विरुद्ध के बारे में बात करते हुए, मुख्य मंत्री ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा शुरू की गई इस मुहिम के कारण महत्वपूर्ण परिणाम सामने आ रहे हैं। उन्होंने कहा कि जो लोग इस घृणित व्यापार में शामिल बड़े अपराधियों को देखना चाहते हैं, वे नाभा जेल जाकर नजारा देख सकते हैं। भगवंत सिंह मान ने दोहराया कि मानवता के खिलाफ इस अपराध में शामिल किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा और उनके खिलाफ कानून के अनुसार सख्त कार्रवाई की जाएगी।

मुख्य मंत्री ने कहा कि वे युवाओं को रोजगार देकर उनके हाथों में टिफिन सौंपना चाहते हैं ताकि वे सिरिंज और अन्य नशों के खतरे से दूर रह सकें। उन्होंने कहा कि खाली दिमाग शैतान का घर माना जाता है, इसलिए राज्य सरकार यह सुनिश्चित करने की पूरी कोशिश कर रही है कि अधिक से अधिक युवाओं को नौकरियाँ मिलें ताकि वे सामाजिक बुराइयों का शिकार न हों। भगवंत सिंह मान ने कहा कि बेरोजगारी कई सामाजिक समस्याओं की जड़ है, जिसके कारण राज्य सरकार इस पर ध्यान केंद्रित कर रही है और अब तक लगभग 55,000 युवाओं को सरकारी नौकरियां प्रदान की जा चुकी हैं। मुख्य मंत्री ने कहा कि ड्रग माफिया को पिछली सरकारों ने संरक्षण दिया था, लेकिन उनकी सरकार ने नशों के खिलाफ जंग छेड़ी है। भगवंत सिंह मान ने कहा कि राज्य में नशों के खतरे को खत्म करने के लिए सुविचारित योजना बनाई गई है और अब नशों के खिलाफ जंग पूरी तरह शुरू हो गई है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने नशों की आपूर्ति श्रृंखला को तोड़ने के अलावा इस अपराध में शामिल बड़े मगरमच्छों को सलाखों के पीछे डाल दिया है। उन्होंने कहा कि अब नशा तस्करों की संपत्ति जब्त करके ढहाई जा रही है। उन्होंने कहा कि इस कार्य को जनता के सक्रिय सहयोग के बिना पूरा नहीं किया जा सकता था। मुख्य मंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने समाज के हर वर्ग की भलाई के लिए अनूठी और महत्वपूर्ण पहल की हैं। उन्होंने कहा कि आने वाले दिनों में राज्य में व्यापार और आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए और निर्णय लिए जाएंगे। भगवंत सिंह मान ने कहा कि इन निर्णयों का उद्देश्य पहले से मौजूद औद्योगिक इकाइयों का विस्तार सुनिश्चित करना और साथ ही राज्य में नए उद्योग स्थापित करने के लिए सुविधाएं प्रदान करना है।

बेअदबी को रोकने के लिए अपनी सरकार की प्रतिबद्धता को दोहराते हुए, मुख्य मंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने विधानसभा में पंजाब प्रिवेंशन ऑफ क्राइम अगेंस्ट रिलीजियस स्क्रिप्चर्स बिल, 2025 पेश किया है। भगवंत सिंह मान ने जोर देकर कहा कि यह संवेदनशील और गंभीर मुद्दा सभी पंजाबियों के लिए प्रमुख है और वर्तमान और आने वाली पीढ़ियों दोनों के लिए दूरगामी प्रभाव रखता है। उन्होंने जोर देकर कहा कि भविष्य में ऐसे अपराधों को रोकने के लिए कठोर सजा जरूरी है।

मुख्य मंत्री ने कहा कि जब उन्होंने पदभार संभाला था, उस समय नहरी पानी का केवल 21 प्रतिशत सिंचाई के लिए उपयोग हो रहा था, लेकिन आज यह आंकड़ा बढ़कर 63 प्रतिशत हो गया है। उन्होंने कहा कि पंजाब सरकार के ठोस प्रयासों के कारण पहली बार राज्य के अंतिम गांवों तक नहरों और नदियों का पानी पहुंचा है। भगवंत सिंह मान ने यह भी बताया कि उनकी सरकार ने पंजाब के जल संसाधनों को सफलतापूर्वक सुरक्षित रखा है।

मुख्य मंत्री ने घोषणा की कि पंजाब ने हाईवे सुरक्षा को बढ़ाने के लिए देश की पहली समर्पित सड़क सुरक्षा फोर्स (रोड सेफ्टी फोर्स) शुरू की है। उन्होंने कहा कि इस फोर्स के तहत विशेष रूप से भर्ती और प्रशिक्षित कर्मचारियों, जिनमें महिलाएं भी शामिल हैं, की भर्ती और प्रशिक्षण दिया गया है और यह 144 आधुनिक वाहनों से सुसज्जित है। भगवंत सिंह मान ने कहा कि यह फोर्स बहुत प्रभावी ढंग से काम कर रही है और कई राज्यों और यहां तक कि भारत सरकार ने भी इस पहल की सराहना की है।

लोक कल्याण की दिशा में बड़ी पहल मुख्य मंत्री सेहत योजना का जिक्र करते हुए उन्होंने बताया कि यह देश की अपनी तरह की पहली योजना है, जो पंजाब के प्रत्येक परिवार के लिए 10 लाख तक का नकद रहित चिकित्सा उपचार प्रदान करती है। उन्होंने गर्व के साथ कहा कि पंजाब ऐसा व्यापक स्वास्थ्य देखभाल कवरेज प्रदान करने वाला भारत का पहला राज्य है, जो उच्च गुणवत्ता वाली स्वास्थ्य सेवाएं सुनिश्चित करते हुए जनता पर वित्तीय बोझ को काफी हद तक कम करने का प्रयास कर रहा है। भगवंत सिंह मान ने कहा कि इस ऐतिहासिक कदम का उद्देश्य राज्य के सभी परिवारों को सर्वव्यापी स्वास्थ्य देखभाल प्रदान करना है।

मुख्य मंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने ऐतिहासिक एक विधायक, एक पेंशन बिल भी पारित किया है, जिसमें कहा गया है कि प्रत्येक विधायक को हर कार्यकाल के लिए कई पेंशन देने की पहले की व्यवस्था के बजाय केवल एक ही पेंशन मिलेगी। उन्होंने कहा कि 2022 में मुफ्त बिजली गारंटी की शुरूआत के बाद 90 प्रतिशत परिवारों को मुफ्त बिजली मिल रही है और उनके बिल शून्य आ रहे हैं, जिससे परिवारों पर वित्तीय बोझ काफी कम हुआ है। भगवंत सिंह मान ने यह भी कहा कि घरेलू उपभोक्ताओं के अलावा, किसानों को मुफ्त और निर्बाध बिजली मिल रही है, जिससे अर्थव्यवस्था में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका सुनिश्चित की जा रही है।

मुख्य मंत्री ने यह भी कहा कि चूंकि सरकार ने राज्य में धान की बुवाई की तारीखें पहले कर दी हैं, इसलिए उन्होंने केंद्र सरकार से धान की खरीद 15 दिन पहले करने की अपील की है।

मुख्यमंत्री का मिशन ज्ञान जारी; पंजाब निवासियों को नया पुस्तकालय समर्पित

एसबी संवाददाता

धूरी (संगरूर)। युवाओं में पढ़ने की रुचि पैदा करने के लिए मिशन ज्ञान को जारी रखते हुए, पंजाब के मुख्य मंत्री भगवंत सिंह मान ने आज यहां नवनिर्मित सार्वजनिक लाइब्रेरी शहरवासियों को समर्पित की।

मुख्य मंत्री ने कहा कि वे आज यहां 1.59 करोड़ रुपए की लागत से बनी इस नई सार्वजनिक लाइब्रेरी का उद्घाटन करने आए हैं और उन्हें इस पर बहुत गर्व महसूस हो रहा है। उन्होंने बताया कि इस दो मंजिला इमारत का क्षेत्रफल 3,710 वर्ग फुट है और यह वाई-फाई, सौर ऊर्जा, डिजिटल एनालॉग, और अन्य उच्च स्तरीय सुविधाओं से सुसज्जित है। भगवंत सिंह मान ने कहा कि इस लाइब्रेरी में समकालीन साहित्य, पाठ्यक्रम की किताबें, और विश्व स्तरीय पुस्तकें उपलब्ध हैं, जो सीखने का एक समृद्ध अनुभव प्रदान करती हैं।

मुख्य मंत्री ने कहा कि ऐसी लाइब्रेरियां ज्ञान और साहित्य का वास्तविक भंडार हैं और यह हम सभी के लिए गर्व की बात है कि इन अत्याधुनिक लाइब्रेरियों में विभिन्न विषयों पर मूल्यवान किताबें हैं, जो पुस्तक प्रेमियों को आकर्षित करती हैं। उन्होंने कहा कि यह पहल ग्रामीण क्षेत्रों में शिक्षा, साक्षरता, और सामुदायिक एकजुटता को बढ़ावा देने की दिशा में एक बड़ा कदम है। भगवंत सिंह मान ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में सार्वजनिक लाइब्रेरियां ज्ञान के प्रकाश स्तंभ साबित हो रही हैं और हमारा उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि पंजाब का प्रत्येक नागरिक इनका लाभ उठा सके।

मुख्य मंत्री ने कहा कि ये लाइब्रेरियां युवाओं में पढ़ने की रुचि को प्रोत्साहन देने और उनके शैक्षणिक और व्यक्तिगत विकास में योगदान देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं।

उन्होंने कहा कि ये लाइब्रेरियां सामुदायिक केंद्र के रूप में कार्य करती हैं, जहां सीखने, संवाद, और सांस्कृतिक आदान-प्रदान के लिए अनुकूल वातावरण प्रदान किया जाता है। भगवंत सिंह मान ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में ये लाइब्रेरियां शैक्षिक संसाधनों तक पहुंच में अंतर को कम करती हैं और यह सुनिश्चित करती हैं कि हर किसी को सीखने और आगे बढ़ने का अवसर मिले। मुख्य मंत्री ने कहा कि राज्य सरकार पहले ही प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में आधुनिक लाइब्रेरियां स्थापित करने की योजना लागू कर रही है। उन्होंने बताया कि ये लाइब्रेरियां डिजिटल रूप से आपस में जुड़ी हुई हैं और हाई-स्पीड इंटरनेट से सुसज्जित हैं। उन्होंने कहा कि युवाओं को उनके शैक्षणिक और करियर में सहायता करने के लिए इन लाइब्रेरी में प्रशिक्षित लाइब्रेरियन उपलब्ध हैं। भगवंत सिंह मान ने छात्रों, अभिभावकों, और समुदाय के सदस्यों से सीखने, अनुसंधान, और आत्म-विकास के लिए लाइब्रेरियों का सक्रिय रूप से उपयोग करने की अपील भी की।

बलात्कार के आरोपी को मिली कोर्ट से राहत

एसबी संवाददाता

वाराणसी। एफ.टी.सी. (कोर्ट संख्या एक) की अदालत ने भेलूपुर थाने में बलात्कार के मामले में आरोपी की जमानत स्वीकार कर ली है। भेलूपुर थाना से नामित अभियुक्त को एक लाख रुपये की दो जमानते एवं व्यक्तिगत बन्धपत्र पर रिहा करने का आदेश दिया। अदालत में बचाव पक्ष की ओर से अधिवक्ता विशाल सेठ एवं राकेश कुमार गुप्ता ने पक्ष रखा।

अभियोजन पक्ष के अनुसार भेलूपुर थाना प्रभारी को एक महिला ने शिकायत किया कि,"एक व्यक्ति उसका पीछा कर-के उसके घर में घुस गया और उसके सिर में सिंदूर भरकर उससे जबरदस्ती मारपीट कर बलात्कार किया और 10 माह से वह व्यक्ति उसे कैद करके बलात्कार करता था और उसे मारता पीटता और धमकाता था।

एडवोकेट विशाल सेठ

घरौंडा को मिली 20 करोड़ की विकास परियोजनाएं

विधानसभा अध्यक्ष ने कंबोपुरा अंडरपास समेत कई कार्यों का किया उद्घाटन

एसबी विशेष संवाददाता/मदन पुरी

करनाल। हरियाणा विधानसभा अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण ने रविवार को घरौंडा हलके में 20 करोड़ 21 लाख रुपये की लागत से तैयार 5 विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया।

गांव कंबोपुरा में 14 करोड़ 80 लाख रुपये की लागत से बने अंडरपास का लोकार्पण किया गया। वहीं गांव पीर बड़ौली से लालुपुरा तक 2 करोड़ 96 लाख की लागत से सड़क चौड़ीकरण और सुदृढ़ीकरण कार्य का उद्घाटन हुआ। इसके अलावा लालुपुरा गांव में 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत यमुना तटबंध पर त्रिवेणी लगाई गई। यहां 1100 से ज्यादा पौधे पहले ही लगाए जा चुके हैं।

कल्याण ने राजकीय उच्च विद्यालय में 32 लाख रुपये की लागत से बनने वाले तीन नए कमरों का शिलान्यास किया। साथ ही नगर निगम द्वारा बनाए जाने वाले दो करोड़ के पार्क व सिंचाई विभाग द्वारा 13 लाख 22 हजार रुपये की लागत से बनी पुलिया का भी उद्घाटन किया। प्रजापति धर्मशाला में महाराजा दक्ष प्रजापति की जयंती समारोह में हिस्सा लेते हुए उन्होंने धर्मशाला के विस्तार की योजना का भरोसा दिलाया। पीडब्ल्यूडी रेस्ट हाउस में आमजन की समस्याएं सुनते हुए उन्होंने अधिकारियों को समाधान के निर्देश दिए। करनाल की मेयर रेणु बाला गुप्ता ने लोगों से सफाई में सहयोग और कूड़ा अलग करने की अपील की। इस मौके पर एसडीएम राजेश सोनी, डीएसपी मनोज कुमार, चेयरमैन हैप्पी लक गुप्ता सहित कई अधिकारी व भाजपा पदाधिकारी मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने देहरादून में उत्तराखंड के मुख्यमंत्री से की भेंट

संजना भारती संवाददाता

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर धामी से देहरादून में उनके निवास स्थान पर पहुंचकर शिष्टाचार भेंट की।

इस दौरान श्री सैनी ने हरियाणा सरकार द्वारा लागू की गई विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाएं सांझा की और बताया कि पिछले 11 वर्षों में राज्य सरकार द्वारा करवाए जा रहे विकास कार्यों से लोगों के जीवन स्तर में काफी परिवर्तन आया है। सरकार की इन्ही नीतियों की बदौलत तीसरी बार नॉन-स्टॉप सरकार बनी है।

इस अवसर पर उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी का देहरादून पहुंचने पर स्वागत किया।

सरकार शुद्ध पेयजल की आपूर्ति हेतु संकल्पबद्ध: डॉ चौहान

एसबी विशेष संवाददाता

करनाल। हर घर नल से जल पहुँचाने की सरकारी प्रतिबद्धता पानी की पहुँच के साथ संपन्न नहीं होती। सरकार शुद्ध जल की आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए भी संकल्पबद्ध होकर कार्य कर रही है। हरियाणा ग्रामीण विकास संस्थान के निदेशक डॉ. वीरेंद्र सिंह चौहान ने पुरानी नीलोखेड़ी ग्राम पंचायत की पेयजल एवं सीवरेज समिति की बैठक को संबोधित करते हुए यह टिप्पणी की।

उन्होंने कहा कि जहां जल की उपलब्धता जीवन के लिए प्राथमिक आवश्यकता है तो वहीं स्वस्थ जीवन के लिए पानी की शुद्धता बरकरार रखना जरूरी है। जनस्वास्थ्य विभाग द्वारा पीने के पानी से संबंधित विषयों पर चलाए जा रहे जागरूकता अभियान के अंतर्गत ग्राम वासियों से रूबरू हुए डॉ.वीरेंद्र सिंह चौहान ने कहा कि हरियाणा में अनेक विकासखंडों में भूमिगत जल का स्तर चिंताजनक ढंग से नीचे चला गया है। इसके पीछे भूमिगत जल का नासमझी पूर्ण ढंग से बेहिसाब दुरुपयोग और कुप्रबंधन कहा जा सकता है। इस विषय में व्यापक पैमाने पर जनजागृति की आवश्यकता है। उन्होंने ग्राम वासियों का आवाहन किया कि वे भूमिगत जल को प्रदूषित करने वाली गतिविधियों से भी बचे। अपने संबोधन में हरियाणा ग्रामीण विकास संस्थान के निदेशक ने ग्राम वासियों का आवाहन किया कि वे गाँव की समस्याओं के निराकरण के लिए सामुदायिक भाव से एकजुट होकर काम करें।

मुख्य रसायनज्ञ, जनस्वास्थ्य विभाग कुंवर अमित सिंह ने इस अवसर पर पानी व्यर्थ न बहाने का आवाहन किया। उन्होंने बताया कि सरकार द्वारा नियमित रूप से पानी के नमूनों की जांच के लिए प्रयोगशालाओं का एक प्रदेश व्यापी नेटवर्क खड़ा किया गया है। कार्यक्रम जिला सलाहकार नेहा, कनिष्ठ अभियंता हर्ष और ब्लॉक रिसोर्स कोऑर्डिनेटर कुलभूषण शर्मा ने भी ग्रामवासियों को जागरूक किया। कार्यक्रम में पहुँचने पर सरपंच सरदारनी विक्रम जीत कौर और हरप्रीत सिंह सहित विभागीय अधिकारियों ने डॉ. वीरेंद्र सिंह चौहान का बुके देकर स्वागत किया।

नशा मुक्त हो जिला अभियान तहत संदिग्ध नशा तस्करों पर पुलिस की बड़ी कार्रवाई

■ **थाना गुहला, पूंडरी, कलायत व शहर कैथल में संदिग्ध नशा तस्करों घरो पर की गई सघन जांच**

संजना भारती संवाददाता

कैथल। जिला पुलिस द्वारा 'नशा मुक्त हो जिला' अभियान के अंतर्गत नशे के खिलाफ सख्त कदम उठाते हुए संदिग्ध नशा तस्करों पर बड़ी कार्रवाई की गई है। पुलिस अधीक्षक आस्था मोदी के दिशा-निर्देशन व डीएसपी कुलदीप बेनीवाल की निगरानी में चलाए गए इस अभियान के तहत आमजन से सीधा संपर्क स्थापित करके संदिग्ध नशा तस्करों की पहचान की गई है। रविवार को इस अभियान के तहत थाना गुहला, पूंडरी, कलायत व शहर कैथल में अलग अलग विभिन्न 20 टीमों का गठन किया गया, जिनमें करीब 200 पुलिस कर्मचारी व अधिकारी शामिल थे। इन टीमों ने थाना गुहला, पूंडरी, कलायत व शहर कैथल अंतर्गत एक साथ लगभग 200 घरों की गहनता से तलाशी ली और संदिग्ध गतिविधियों पर कड़ी नजर रखी।

जांच व पूछताछ करते पुलिस टीम। (छाया: एसबी)

पुलिस टीमों ने गांवों में जाकर आमजन, युवाओं और वरिष्ठ नागरिकों से बातचीत की, जिससे संदिग्ध व्यक्तियों की पहचान करने में मदद मिली। इस दौरान पुलिस टीमों द्वारा आमजन सहित युवाओं को नशे की लत से दूर रहने के लिए जागरूक भी किया गया। एसपी आस्था मोदी ने स्पष्ट किया कि जिले को नशा मुक्त बनाने के लिए इस तरह की कार्रवाई निरंतर जारी रहेंगी। इस अभियान का उद्देश्य मुख्य रूप से नशे का कारोबार करने वालों पर शिकंजा कसना है, जिला पुलिस का उद्देश्य कैथल जिला को नशा मुक्त बनाना है। आमजन से भी अपील की गई है कि वे नशा तस्करी जैसी समाज विरोधी गतिविधियों की जानकारी तुरंत पुलिस को दें और समाज को नशा मुक्त बनाने में भागीदार बनें।

आने वाले दो वर्षों में भूमिगत होंगे बिजली के तार, फरीदाबाद के सौंदर्यीकरण व विकास में नहीं रहेगी कोई कसर: कृष्णपाल गुर्जर

'फरीदाबाद में 2800 करोड़ की लागत से बिजली की तारों को अंडरग्राउंड किया जाएगा'

संजना भारती संवाददाता

चंडीगढ़। फरीदाबाद के बड़खल विधानसभा क्षेत्र के विकास को एक नई दिशा देते हुए केंद्रीय सहकारिता राज्य मंत्री कृष्ण पाल गुर्जर ने सेक्टर-45 और 46 में लगभग दो करोड़ रुपये की लागत से नगर निगम फरीदाबाद के वार्ड नंबर 20 के अंतर्गत आने वाले दस पार्कों के नवीनीकरण एवं सौंदर्यीकरण कार्यों का शुभारंभ किया।

केन्द्रीय मंत्री ने कहा कि केंद्र और राज्य सरकार फरीदाबाद में निरंतर विकास कार्य कर रही है। फरीदाबाद के प्रत्येक सेक्टर, कॉलोनी और गाँव में सबका साथ, सबका विकास और सबका विश्वास के सिद्धांत के तहत बिना किसी भेदभाव के समान रूप से विकास किया जा रहा है।

उन्होंने जानकारी दी कि फरीदाबाद को बिजली की तारों के जाल से मुक्ति दिलाने के लिए केंद्र सरकार से 2800 करोड़ रुपये का बजट स्वीकृत किया गया है, जिसके टेंडर भी लगाए जा चुके हैं, जोकि जल्द खुल जाएँगे। इस योजना के अंतर्गत आने वाले डेढ़ से दो वर्षों के भीतर शहर की सभी बिजली की तारों को भूमिगत किया जाएगा। इससे न केवल शहर की सुंदरता में वृद्धि होगी, बल्कि बिजली के खंभे हटने से सड़कों का चौड़ीकरण भी संभव हो सकेगा। साथ ही, पेड़ों की अकारण छंटाई नहीं करनी पड़ेगी, जिससे हरित क्षेत्र को भी बढ़ावा मिलेगा।

उन्होंने यह भी कहा कि पिछले 11 वर्षों में फरीदाबाद में सड़कों और हाईवे कनेक्टिविटी में अभूतपूर्व सुधार हुआ है। फरीदाबाद के समग्र विकास के लिए केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार, पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल तथा वर्तमान मुख्यमंत्री श्री नायब सैनी के नेतृत्व में राज्य सरकार पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। उन्होंने विश्वास दिलाया कि आने वाले समय में फरीदाबाद हर दृष्टि से एक आदर्श और विकसित शहर के रूप में स्थापित होगा।

नशे के खिलाफ राष्ट्रीय नारकोटिक्स हेल्पलाइन मानस-1933 शुरू

■ **आमजन 1933 नंबर पर कॉल करके दें ड्रग्स तस्करी की गुप्त जानकारी**

एसबी ब्यूरो प्रमुख/निर्मल कुमार

कैथल। डीसी प्रीति ने बताया कि केंद्र सरकार ने नशे के खिलाफ राष्ट्रीय नारकोटिक्स हेल्पलाइन मानस-1933 शुरू की है। यह हेल्पलाइन देश को 2047 तक नशा मुक्त बनाने के लक्ष्य को साकार करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। मानस हेल्पलाइन नंबर 24 घंटे चालू रहता है। लोग इस पर ड्रग्स तस्करी की गुप्त जानकारी साझा कर सकते हैं। सूचना देने वाले की पहचान पूरी तरह गोपनीय रखी जाएगी।

उन्होंने कहा कि नशा न केवल व्यक्ति के शरीर व बुद्धि का नाश करता है, बल्कि समाज को भी खोखला करता है। नशा करने वाले व्यक्ति का पूरा परिवार इससे प्रभावित होता है। केंद्र सरकार की मानस पहल से नशा बेचने वालों पर नकेल कसी जाएगी और नशे की लत से जूझ रहे लोगों को मुख्यधारा में लाने का प्रयास किया जाएगा। नशे की लत छुड़ाने के लिए काउंसलिंग और पुनर्वास की सुविधा भी उपलब्ध होगी।

उपायुक्त कैथल प्रीति

डीसी प्रीति ने बताया कि यह हेल्पलाइन देशभर की एंटी-नारकोटिक्स टास्क फोर्स से जुड़ी है ताकि तस्करों पर तुरंत कार्रवाई हो सके। इस प्लेटफार्म की पहुंच बढ़ाने और त्वरित प्रतिक्रिया की सुविधा के लिए इस हेल्पलाइन के बारे में आमजन को जागरूक किया जा रहा है, ताकि वे नशीली दवाओं की तस्करी संबंधित रिपोर्ट दें सकें और नशे की लत में पड़ चुके लोग परामर्श ले सकें। उन्होंने आमजन से आह्वान किया कि वे देश को वर्ष 2047 तक नशा मुक्त बनाने के राष्ट्रीय दृष्टिकोण में अपना सक्रिय योगदान दें।

एंटी व्हीकल थेफ्ट स्टाफ की बड़ी सफलता

खेतों से सामान चोरी करने वाले गिरोह का भंडाफोड़ करते हुए 2 आरोपियों को किया गया काबू, चोरी की 5 वारदात सुलझी, चोरीशुदा सामान बरामद

एसबी ब्यूरो प्रमुख/निर्मल कुमार

कैथल। एंटी व्हीकल थेफ्ट स्टाफ द्वारा एसपी आस्था मोदी के निर्देशानुसार कड़ी कार्रवाई करते हुए खेतों से सामान चोरी करने वाले एक गिरोह का भंडाफोड़ कर-के उल्लेखनीय सफलता हासिल की गई है। एंटी व्हीकल थेफ्ट स्टाफ द्वारा 2 आरोपियों को काबू कर लिया गया। जिनकी गिरफ्तारी से चोरी की 5 वारदाते सुलझाने में सफलता हासिल हुई है।

पुलिस प्रवक्ता प्रवीन श्योकंद ने जानकारी देते हुए बताया कि खरक पांडवा निवासी गजे सिंह की शिकायत अनुसार खरक पांडवा से सजुमा रोड़ पर स्थित उसके खेत कोठा से अज्ञात व्यक्ति द्वारा 10 जुलाई की रात 10 कट्टे यूरिया, 12 कट्टे डीएपी, फीता, सिलेंडर चूल्हा, 2 चारपाई, एक छत पंखा चोरी कर लिया गया। जिस बारे थाना कलायत में मामला दर्ज किया गया। प्रवक्ता ने बताया कि खेतों से सामान चोरी की कई वारदात के मध्यनजर एसपी आस्था मोदी द्वारा एंटी व्हीकल थेफ्ट स्टाफ को जल्द से जल्द आरोपियों को गिरफ्तार करने के आदेश दिए गए थे। आदेशों पर खरा उतरते हुए एंटी व्हीकल थेफ्ट स्टाफ प्रभारी एसआई प्रदीप कुमार की अगुवाई में एसआई शुभकरण, एएसआई अशोक कुमार, एचसी ईशम सिंह, एसपीओ राजेश व अमित, होमगार्ड विकास व मनोज की टीम द्वारा करनाल रोड़ कैथल से आरोपी जिला जींद के गांव शाहपुर निवासी प्रदीप कुमार तथा सीवन निवासी शमशेर सिंह उर्फ बबलू को काबू कर लिया गया। आरोपियों से की गई व्यापक पूछताछ दौरान आरोपियों ने उपरोक्त चोरी के अतिरिक्त 4 अन्य चोरी की वारदात करनी कबुल की। जो गांव दिवाल निवासी नरेश की शिकायत अनुसार 9 जुलाई की रात उसके खेत कोठा से अज्ञात द्वारा सिलेंडर-चूल्हा, डीजल तेल, चारपाई, पंखा, 35 लीटर दवाई, बैटरी, 40 फुट तार चोरी कर ली गई थी। जिस बारे थाना सदर में मामला दर्ज है। एक अन्य मामले में सजुमा निवासी जयपाल की शिकायत अनुसार 13 जुलाई की रात उसके खेत कोठा से अज्ञात द्वारा गैस सिलेंडर चूल्हा व एक मोबाइल फोन चोरी कर लिया गया। जो थाना कलायत में मामला दर्ज है। एक अन्य मामले में नरड़ निवासी रामचंद्र की शिकायत अनुसार 8 जुलाई को उसके खेत कोठा से अज्ञात द्वारा 10 फुट तार, 10 कट्टे यूरिया, फराटा, दवाइयां, स्प्रे की टंकी चुरा ली गई, जो थाना तितरम में मामला दर्ज है।

5वें मामले में जिला करनाल के गांव बिजना निवासी रिंकू की शिकायत अनुसार 23 जून को गांव बिजना से उसकी बाइक अज्ञात व्यक्ति चुरा ले गए। जो थाना सदर करनाल में मामला दर्ज है। आरोपियों के कब्जे से वारदात में प्रयुक्त पिकअप गाड़ी, 32 कट्टे यूरिया, एक चोरीशुदा बाइक, 3 गैस सिलेंडर, 2 पंखे तथा करीब 50 फुट तार बरामद की गई है।

दोनों आरोपी दोस्त है तथा इकट्ठे मिलकर रात के समय सड़क किनारे लगने वाले खेत कोठा को अपना टारगेट बनाते थे। दोनो आरोपियों पर पहले भी चोरी के मामले दर्ज है। दोनो आरोपी न्यायालय के आदेशानुसार न्यायिक हिरासत में भेज दिए गए।

खेतों से चोरी करने वाले दोनों आरोपी पुलिस गिरफ्त में। (छाया: एसबी)

ऑनलाइन धोखाधड़ी से बचाव के लिए सतर्क रहें आमजन: डीसी प्रीति

■ **साइबर धोखाधड़ी होने पर हेल्पलाइन 1930 पर करें तुरंत शिकायत**

एसबी ब्यूरो प्रमुख/निर्मल कुमार

कैथल। डीसी प्रीति ने कहा कि वर्तमान डिजिटल युग में साइबर धोखाधड़ी के मामले सामने आ रहे हैं। बैंकिंग धोखाधड़ी, यूपीआई फिशिंग, फेक लिंक और अन्य ऑनलाइन ठगी से बचने के लिए आमजन को सतर्क रहने की जरूरत है। किसी भी अनजान कॉल, संदिग्ध लिंक या बैंक संबंधी गोपनीय जानकारी किसी के साथ साझा न करें। किसी भी तरह की ऑनलाइन धोखाधड़ी या साइबर क्राइम की घटना होने पर तुरंत 1930 हेल्पलाइन पर सूचना दें। क्योंकि साइबर धोखाधड़ी के मामलों में जितना जल्दी सूचना पुलिस व अन्य संबंधित एजेंसियों तक पहुंचती है साइबर अपराध को रोकने की संभावना उतना ज्यादा होती है।

उन्होंने बताया कि साइबर अपराध की शिकायत करने के लिए केंद्र सरकार द्वारा www.cybercrime.gov.in वेबसाइट और 1930 साइबर हेल्पलाइन उपलब्ध करवाई गई है, जहां नागरिक अपनी शिकायत दर्ज करवा सकते हैं। उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन साइबर अपराध के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए लगातार प्रयास कर रहा है। आमजन को चाहिए कि वे सतर्कता बरतें और अपने परिवार, दोस्तों को भी इसके बारे में जागरूक करें। जिला प्रशासन का उद्देश्य नागरिकों को डिजिटल रूप से सशक्त बनाना और उन्हें साइबर सुरक्षा की बुनियादी जानकारी देना है। डीसी ने नागरिकों से अपील की कि वे अपने वित्तीय और व्यक्तिगत डेटा को सुरक्षित रखें और किसी भी साइबर धोखाधड़ी की स्थिति में देरी किए बिना इसकी शिकायत करें।

उपायुक्त कैथल प्रीति